आत्म ज्ञान



प्रथम भाग

आत्म ज़ॉन

प्रथम भाग

अपने पूज्य श्री गुरु महाराज ईश्वरस्वरूप
स्वामी लक्ष्मण जू के चरण कमलों
में सर्मापित करती हूं।

राज दुलारी कदलबुजू
(मस्तानी)
बोहरी, तालाब तिल्लो, जम्मू-2
दूरभाष : 48548

'आत्म ज्ञॉन' भजनावली पुस्तक का पहला संग्रह आपके हाथ में है। इस पुस्तक का दूसरा संग्रह शीघ्र आप के पास छप कर आरहा है।

मूल्य : 42/- रुपये

मुद्रक :- ज्योती प्रिंटर्ज़, पटोली जम्मू-7

प्रतियां—300

प्रस्तावना

श्री गुरुदेव के चरणों मैं मेरा नतमस्तक प्रणाम बारम्बार है। आज मैं एक कश्मीरी संग्रह कविताओं, को प्रकाशित करने जा रही हूं। मां सरस्वती की असीम कृपा मुझ निर्बल साधारण नारी पर सदा रही है। उन्हीं की कृपा का वरदान सब है। मैं भक्तगण को यह बताना चाहती हूं कि यह सब मेरी बेहोशी के आलम का हाल है। सच पूछिऐ यह सब अर्ध संज्ञा अवस्था का ही अभ्यास है। वह मेरी भावनाओं को अवश्य स्वीकारेंगी। यह भाव मां वैखरी के हैं मैंने केवल तराशे हैं। मेरे इस प्रथम प्रयास में यदि कोई त्रुठियां रही हैं, पाठक गण अवश्य क्षमा करेंगे। ईश्वर सब को कृपा करें।

गुरु चरणों की धूल
राजदुलारी कदलबुजू
(मस्तानी)

दो शब्द

हमारी गुरु-बहिन सुश्री दुलारी जी ने गुरु-कृपा वश होकर यदा-कदा अपने उद्गारों को कश्मीरी भाषा में उगला है। यह उद्गार उनकी अन्तरात्मा का परिचय देते हुए अपने ज्ञान का भी चित्र खींचते हैं। अभिनव गुप्त जी ने गीताजी के १२ अध्याय १२वें श्लोक में ज्ञान का सुन्दर लक्षण किया है। वे कहते हैं:—

"ज्ञानम्—आवेशात्म, अभ्यासाच्छ्रेयः—अभ्यासस्य तत्फलत्वात्।"

आवेश में आकर जो कविता कही जाती है वह अन्तरात्मा की सच्ची पुकार होती है। दुलारी जी इन कश्मीरी कविताओं को उनके मुख से ही सुनने का मुझे तथा ब्रह्मलीन देवी शारिका जी को कई बार सुअवसर मिला है। जब भी यह अपनी कविता सुनाती हैं यह आवेश में आकर अपनी सुध-बुध खो देती है। यही तो अभ्यास का फल है।

हम कई वर्षों से इन से अनुरोध कर रहे हैं कि वह इन कविताओं को छपवा दें ताकि जनता भी इन से लाभान्वित हो।

मुझे पूर्ण आशा है कि कवियित्री दुलारी जी अपनी कविताओं को छपवा कर जनता के देहाभिमान की अज्ञता को दूर करके उन्हें कवि - प्रांगण में घूमने का सुअवसर देंगी। ऐसा होगा तो दुलारी जी का प्रयास सफल होगा।

गुरुकृपावगाहिनी
प्रभा देवी

दो शब्द

मुझे आज अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि जीवन में कुछ लिखने का अवसर प्रथम बार मुझे मिला। यद्यपि ईश्वर की कृपा से मैं उस ज़माने की अधिक पढ़ी लिखी नारी रहीं हूं फिर भी संसार के इस सागर में डूब कर पता ही नहीं लगा, समय इतना बीत गया सो "देर आयद दुरुस्त आयद"। इसी कहावत के साथ मैं इन कश्मीरी भजनों के बारे में दो शब्द लिखना चाहती हूं। इस भक्ति माला के भजनों में तो मानव डूबता ही जाता है। इस पुस्तक की लेखिका का तो यह सारा आत्म अनुभव है। मां वैखरी की महान् कृपा से आज यह सब कुछ पाठकों तथा प्रेमियों तक पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। किसी के आत्म-ज्ञान के बारे में कुछ लिखना बहुत ही कठिन काम है। फिर भी मैं इन कविताओं को पढ़कर अपने को कृतार्थ मानती हूं। जिस को इस महान् नारी का सम्पर्क मिला उसको इस बात का अनुभव होगा। इस संग्रह को बार बार पढ़ने की इच्छा रहेगी, ऐसा मेरा अनुमान है।

ईश्वर सब को कृपा करें।

शांता कौल
(कदलबुज़)

विषय सूची



ईश्वरस्वरूप स्वामी लक्ष्मण जू

(इशबर काश्मीर)

जय जय गणेशाय नमः



गणपत गणेशाये च़्य नमःह्,
पापन च़_ म्यान्यन, कर क्षमाह्।
कारन ह्रा म्यान्यन, अन जमाह् ।०।

घटि मंज़ गाशा ह्रावतम,
शापन निश म्य मो'कलावतम।
क्षण् क्षण् प्रथ, क्षण् च़्य नमः॥
गणपत गणेशाये नमः ।०।

कलिकाल स्रय मंज़ छस रिवान,
आशायि सान च़्य निश यिवान।
मन साविधान रोज़िहेम दमाह् ॥
गणपत गनेशाये नमः ।०।

रक्षा करान, रक्षपाल छुख,
ज़गतस मंज़ दयालु छुख।
अमृत धाम चोनुय चमःह् ॥
गणपत गणेशाये नमः ।०।

करनावि ताराह् च़्य छस मंगान,
मन चानि नावय सा'त्य रंगान।
अनुग्रह करतम, छुम तमाःह् ॥
गणपत गणेशाये नमः ।०।

वथ हावतम, सथ म्य चा'नी,
चा'नी म्य छय, मेहरबा'नी।
मस्तानि हस्ती चा'न्य छमः ॥
गणपत गणेशाये नमः ।०।



गो'र् कूत ह्योतुथ

गो'र् कूत ह्योतुथ, मटि म्योन बार,
भव सेन्धि ति, छुय ध्युन म्य तार।०।

छुख राज़, त्रन भवनन हुन्दुय,
राज छुख करान, शिव लूकनय।
म्यानि विज़ि ति धोरुथ हा अवतार॥
गो'र् कूत ह्योतुथ......... ।०।

वन क्याह, कस छस रूशिमुच,
मायायि यति छसना, पूशिमुच।
अथरो'ट को'रुथ लो'त गोम बार॥
गो'र् कूत ह्योतुथ......... ।०।

आयस ब, गरबार त्राविथय,
च'य ह_यक ब, हाल भाविथय।
पो'ज़ छुख च_य, अपुज़ हा संसार॥
गो'र् कूत ह्योतुथ......... ।०।

बदनाम गयस, शहर् गामय,
लूकव दिचहा'म, पामय।
चानि नज़रि सा'त्य, प्योम शेहजार॥
गो'र् कूत ह्योतुथ......... ।०।

जाय र्टथम, शुन्यस अन्दर,
मन म्योन छु, तोति चोनुय मन्दर।
मो'कुलावतम वो'न्य, मन की व्यकार॥
गो'र् कूत ह_योतुथ......... ।०।

अभ्यास करनि, योर ब् आयसय,
छारनि जंगलन, ब् द्रायसय।
चमकान वुछुम, चोनुय दरबार॥
गो'र् कूत ह_योतुथ......... ।०।

सिद्धी म्य गयि, गो'र् मन्थरस,
घरि घरि सुय हसा' ब'ति परस।
मस्तानि तो'रुय, फिकिरि सार॥
भव सेन्धि ति छुय ध्युन म्य तार।०।
गो'र् कूत ह_योतुथ......... ।०।



गो'र् लगयो रछि ह्न्द्य पा'ठ्य

गो'र् लगयो, रछि ह्_न्द्य पा'ठ्य,
वछस मंज़, करिमय जायि।
च_ छुख दूरि रूज़िथ॥
चूरि वुछान म्यानि मायि।०।

च' ह_यव येति, बेयिति काँह,
कुसू करयम, रफाकताह।
म्य वन म्य क्याह, छुम खताह॥
र्टिथ चानि हा छायि।०।

यि कुमिय म्य, शमाह् होवुमुत,
म्य ह_यस तु, होश छु रोवमुत।
च़ेय निश मन म्य, सोवुमुत॥
सा'त्य सा'त्य छम चानि रायि।०।

दिलस म्य, कति दवाह् बनि,
तेलि बनि म्य, येलि स'नि।
बेयन ति मासा' ज़ांह ननि॥
दयन को'रमुत छुनम पयि।०।

करान रूज़स, बु इन्तिज़ार,
दयस मासा', यियम आर।
बुनिति मासा', सोज़ यम बहार॥
नतुहा नेर्यम यति म्य वाहि।०।

दास आयिसय, बरस तल,
म्येहसा' रूज़, चा'नी कल॥
वुछिथ जागतुक्य छ़ल॥
बिहिथ छस चानि शायि।०।

बजर चोन हा, प्राविथय,
खो'श बु, गयस रा'विथय।
वो'श चो'ल म्य, मनु ना'विथय॥
दिलुक्य अरमान द्रायि।०।

हतो पीरु, म्योन बोज़,
दिलस वज़ान लोलु सोज़।
दमाह् बेहता, येती रोज़॥
मस्तानि अंज़राव न्यायि।०।

गो'रु लगय, रछि ह_न्द्य पा'ठ्य।
वछस मंज़ का'रिमय जायि।०।

बूज़ुम गुरु देव, गोम निर्वाण

बूज़ुम गुरु देव, गोम निर्वाण,
म्योन भविनस, नतमस्तक प्रणाम।
शिव लूक प्यठ्, वो'थमुत छुय विमान ॥
जय जय, गुरु देव छुय सोन महान ।०।

यि दो'ह गो'छना, म्य वुछुन जांह,
होवथम येलि तेलि करिज़्यम दयाह।
वा'तिथ दर्शुन छसना करान ॥
जय जय, गुरु देव म्योन महान ।०।

ज़न्मा ह्यो'त म्य चानि माये,
दीवता तान्य आयि, पूज़ाये।
हा मन: कव् छुख, छो'र् छो'र् करान ॥
जय जय गुरु देव सोन......

रहबर द्राम बजि यात्राये,
वनितोस प्यठ् थव्यम पनुन साये।
वो'न्य कस आसय सीर भावान ॥
जय जय गुरु देव सोन .....

तीज़्वान छुहम बेयि मेहझूर,
वनतम अद् क्याज़ि चो'लुख दूर।
बूज़िथ यि खबर छसना वदान ॥
जय जय गुरु देव सोन......

कति मशि गो'र् म्य चा'न्य मस्तान् चाल,
कस वन् कुस बोज़ि, म्योनुय हाल।
वनतो यि भजन, कित्थ छस ग्यवान ॥
जय जय गुरु देव सोन......

वलु सोन, कथ् त्रारु करखना,
दोह तारु असि निश बरखना।
मायायि सा'त्य छस वति त्रहरान॥
जय जय गुरु देव सोन......

दिलुकिस बाग़स लगि फुलुयाह,
छावन्य ज़ांह गो'रु योर यिखनाह।
वुछू लोलु सागर छु बुक भरान॥
जय जय गुरु देव सोन......

गो'रु देव ज़ान च़ेय करना'वथस,
सा'री व्यकार हसा' त्रावना'वथस।
अनुभव रो'स छुम अनुग्रह बनान॥
जय जय गुरु देव सोन......

शैव शास्त्र ओसुय चोमुत,
शंकरस सा'त्य छुख लय गोमुत।
तवय म्यति छुत्युथ हा वरदान॥
जय जय गुरु देव सोन......

मस्ता'न्य द्रामुच़ बनिथ मस्तानु,
तस छुय चो'पा'र्य गो'रुय वा'न्य यिवान।
बेयि छुस म्यूलमुत भक्ति हुंद दाम॥
जय जय गुरु देव सोन......



कुस म्य वो'थ्रावि आ'श टा'यँ

कुस म्य वो'थ्रावि आ'श टा'यँ,
साहिबो म्य दित अनवार्य।
थचमच् छसय ब् प्रा'यँ प्रा'यँ॥
सत्गो'र् म्य दित अनवा'री।०।

वुनिति वनत छुमाह् नेरुन,
सन्तन सा'त्य हा फेरुन।
नाव म्य नेर्यम ननवा'यँ॥
सत्गो'र् म्य दित......

टाठ्यन हुन्द, म्य लोल छुम,
पूर् करनुक बाशि दिम।
शायद दियि मा म्य वा'यँ॥
सत्गो'र् म्य दित......

चन्दस्य नज़रा दिच्म,
मन्दरस ओसुम अच् ुन।
मो'ह् मद् यिन् गछ्यम॥
सत्गो'र् म्य दित......

वां'सि कस छस ब् प्रारान,
व'ध्य व'ध्य खून हारान।
तोहमा'च् तमि कम म्ये खारि॥
सत्गोर् म्य दित......

कां'सि हंज़ पूज़ाह वुछिथ,
मन म्योन खो'श गव सो'रिथ।
कस द्रायि टा'ठ्य तान्य सा'री॥
सत्गो'र् म्य दित......

अज़ ज़न म्य चो'लमुत अज़ाब,
म्यूल्मुत म्य चोनुय शबाब।
चथ दिच्म, लय दारि दारि॥
सत्गो'र् म्य दित......

अ'तलास तय मख्मल,
पा'रह्'थ यिताह्, जल जल।
छो'प क'र मनन बिचारि॥
सत्गो'र् म्य दित......

वातुन तो'त् छुय मुश्किल,
यिनाह् जे़ठख, च्_ ग़ाफ़िल।
वो'थ मुच्राव, बरस ता'र्य॥
सत्गो'र् म्य दित......

स्यद्ध पो'रुष येति आ'स्य का'त्याह्,
अथ हावान द्रायि नाह्।
तिमति मुसा' कां'खि खारि॥
सत्गो'र् म्य दित......

असमा'न्य पक्कि जानवर,
टा'ठ्य संज़ा वनिमाह् खबर।
तन मस्ता'न्य छि भिखारी॥
सत्गोर् म्य दित......



शिव ओस द्रामुत

शिव हय ओस, द्रामुत शक्ति पतय,
शेर्‌न्य मा सा' द्रायि गो'र् सां'ज़् वतय।
पछ़ कुर्यतव, यिम छव पज़् कथय ॥
गो'र् हय ओस द्रामुत, दीवी पतय ।०।

अज़ातान्य खटिथ कुत्याह् रूदिमत्य,
दयन आ'स्य लीला करनि सूज़िमुत्य।
मो'कलावनि आ'स्यति पनुन्य अतगतय ॥
शिव हय ओस......

गो'र् त शिष्य, दो'नुवय आ'स्य तीज़वान,
सान्यन पापन घरि घरि, नाश करान।
आ'र्स ति रूज़्यतन, तिहुंज़्य सथय ॥
शिव हय ओस .....

टा'ठ्य कति छि टाठ्यन ज़ांह् मशान,
घरि घरि रूदिम'त्य छिख लोल भरान।
चानि दादि यिनाह् गछ़्_यम म्य लोलस दत्तय ॥
शिव हय ओस......

नाद येलि, लायान ओस शारिकाये,
वो'थ बी, यिम ह्_बी प'छ़्_य च़'य आये।
यिमनुय आ'सिथ लीख्यमत्य खतय ॥
शिव हय ओस......

ह्रगाह्, श्माह् बनिथ, आ'स्य स' खटान,
पर्‌वान् छुस, तोति अन्ध्यपा'ख्य रटान।
तिहुंदुय लोल गछ़िमा ज़ांह् छ'त्य ॥
शिव हय ओस......

बीठिम्'त्य आ'स्य दारिबर त्रोपरिथ,
गा'मुत्य छि आ'स्य ति करिश्मा हाविथ।
पैगाम लीखिमुत्य छिमय लोल् अथव ॥
शिव हय ओस......

वाह वाह मन गछि़ असि ति ज़ांह् शाद,
अकि दोह_ येलि आ'स्य ति गछ़व आज़ाद।
पत हेम्हा ना ज़ांह् जगतच़ लत्तय ॥
शिव हय ओस......

म्य छय, चा'नी द्रय हा सत्गो'रो,
गन्ड'हा'य भक्ति हं_ध्य मो'क्तहार साहिबो।
बेयि वुछिहा'य, प्यठ चोनुय छ'त्रय ॥
शिव हय ओस......

यिछ़य हा तपस्या, का'र मा कां'सि वां'से,
दय नाव ललुनो'वमुत छुख वां'से।
च़'लरावनि आयि सा'ने गत्तय ॥
शिव हय ओस......

हा वलो ध्यानस मंज़, वो'न्य थावतम,
च़लिथ गोहम मत मशुरावतम।
नत मस्तानि पज़ि वनुन न्यथुय ॥
शिव हय ओस......



यि दुनिया सो'रुय वछुम हसा'

यि दुनियां सोरुय, वुछुम ह'सा' फानी,
म्य छय चा'नी, द्र्य हा साहिबो ॥
को'स्तान्य शक्ति, म्य पत् छु रूहानी ॥
म्य छय चा'नी द्र्य हा साहिबो ।०।

गो'र येलि चाव म्यानि आंगन्य,
दो'पनम चथ विमर्शस करनि शुमार ।
ब्हय आसय, तार पानय दिवा'नी ॥
म्य छय चा'नी.....

अनुग्रह को'र्थम चेय हा जाना'नी,
युथ पत् चेय रोज़ी ना ग्राव ।
लगयो को'त गोहम, दुरदा'नी ॥
म्य छय चा'नी......

यिम चानि दादि स्यठाह ब् ललुवा'नी,
नत कति रूज़िथ हे'क तन्हा ।
त्रावहा' आलम, छुमना त्रावा'नी ॥
म्य छय चा'नी......

म्योन रुह ओस घरि घरि त्रहरा'नी,
तस छुनाह भय् हा अन्त कालुक ।
बोज़ दीदार आ'स्यज़्यम हावा'नी ॥
म्य छय चा'नी.....

येति कांह कां'सि छुन परज़ानावा'नी,
सारिन्य को'र अभिमानन सूर ।
कालस कांह मा छु याद थावा'नी ।
म्य छम चा'नी......

हा फकीर बनेयस, छस रा'च़ रावरा'नी,
छ़ारान तु प्रारान च़ेय आ'स सय।
सीर बाज़ु लगयो सीर छसय भावा'नी॥
म्य छय चा'नी......

पह_र या मह_ल सा'री छि त्रावा'नी,
ज़ानिहे येति कांह, पज़रुक सोर।
अकि दो'ह नेरुन छु अथहावा'नी॥
म्य छय चा'नी......

चानि घरि नीरिथ छस बु व्यसरा'नी,
असवुन मो'ख हावतम साहिबो।
प्रथविजि रोज़ान छुहम बख्शा'नी॥
म्य छय चा'नी......

मस्तानु मस ओसहम चावा'नी,
तमि सा'त्य ह्यस तय होश रोवुम।
घरि घरि मो'त मन छस नावा'नी॥
म्य छय चा'नी .....

गो'रु म्यानि लगय च़ेय पत बु लारा'नी,
साथा राथा येति बेहतो।
मस्ता'न्य छस बनिथ बहा मस्ता'नी॥
म्य छय चा'नी द्र_य हा साहिबो।०।



ज्योति आ'स मीजम्च् ज्योति स्वरूपस

ज्योति छम मीजमुच्, ज्योति स्वरूपस,
ईश्वर स्वरूपस, क'र पूज़ाह्।
लछि ब'ध्य प्रणाम सोज़ान छस सत्गो'रुस ॥
ईश्वर स्वरूपस कर पूज़ाह् ।०।

नादन कन थव आलव दितिमय,
छारान छसथ, गोह्नोम को'त।
वुनिति पेम'त्य छिनाह् सा' आ'स्य पायस ॥
ईश्वर स्वरूपस......

ग्रावन छ्यन दिमसा',
येति ता'ति वत्य ह्सा'।
पत लगय चा'निस निर्वाण रूपस।
ईश्वर स्वरूपस......

ब्रां'त्य हो छिम गछ़ान,
गो'र ओ'रु मा छुम न्येरान।
नमिथुय बु चा'निस लोलुस त तीज़स ॥
ईश्वर स्वरूपस......

यो'दवय भक्ति भावस छु महिमा,
लगयो पानय वखनावतम सा'।
व्यनु पोश लागान छस शिव बीज़स ॥
ईश्वर स्वरूपस .....

शिव शास्त्रन ओसहा'म वखनान,
कुनि कुनि असिति उपदेश करान।
मन तु प्राण छिम रटिथ तसन्दिस नावस ॥
ईश्वर स्वरूपस......

क्याह् गोम गो'र् देव, चालुन छु दूर्यर,
भक्ति भावस दित् पान् पूर्यर।
पत् स्मरण कर् चा'निस स्वभावस॥
ईश्वर स्वरूपस......

प्रथ पहर आ'सस ईश्वर आश्रम यिवान,
प्रदिक्षण गो'र् मन्दरस हसा' दिवान।
गो'र ओसुम वुछान आ'किसुय भावस।
ईश्वर स्वरूपस......

गो'र् देव ओस, शिवस मेलुनि द्रामुत,
दीवी तु दीवता, छिस पूज़ाह् करान।
लगयो तिह्न्दिस अस्तुत कर्नस॥
ईश्वर स्वरूपस......

वां'सा गयमो, पूज़ाह् चे'य करान,
घरि घरि आ'स्य नमान हसा'।
अज़ हसा' अफसान् पननी वनसुय॥
ईश्वर स्वरूपस......

हा गो'रो यिनाह् मशुरावख म्य ज़ांह्,
अन्त समयस प्यठ दितम दर्शु नाह्।
मस्ता'न्य छि वुछान पननिस बरसय॥
ईस्वर स्वरूपस करत पूज़ाह्।०।



हा आग् लगयो ज़ाग हे्मयो

हा आगु लगयो ज़ाग हे_मय,
दूरि प्यठ् साहिबो च़ूरि यिमय।
राग हसा' म्य छुम चोन ज़ाग हे_मय॥
हो हो करय म्यानि सत्गो'रय।०।

छारन्य ब् न्येरय मनसुय,
शेछि तय खबर कस वनसुय।
आ'श्य वानि सा'त्यन गो'ड् दिमय,
हो हो करय......

लोल् किस मन्दरस म्य अच़ुनुय,
अचि़थय हा तति छुम नच़नुय।
शमुरा'विथ मन पत शमय॥
हो हो करय......

मशरा'विथ मा ह्यो'कमख मत्यो,
डाल् दिथ च़ूरि रूदुख कत्यो।
लों'चि चानि हसा' बुति लमय॥
हो हो करय......

करतान्य को'रुथ म्य सा'त्य वादय,
वनतो च़े छुयना सु यादय।
को'छ़ हसा' मनि लाल च़ेय दिमय॥
हो हो करय......

प्रुछ़नय येति क्याजि द्राखो,
का'मिसन्दि मायि को'त द्राखो।
यिखना चानि दादि हा मरय॥
हो हो करय......

छ़ायन त़ ग्रायन हसा' लगय,
चानि लोलुकुय बाग हो सगय।
पत तति लोल़ मस प्याल चमय॥
हो हो करय......

शाह द्रामुत शाह सवारे,
वनतम तति मा म्य प्रारे।
बेयि ज़ांह कुनि मा याद प्य़ुये॥
हो हो करय.....

ह'थ वांसि येति रोज़ुन गो'छ़ुख,
बेयि म्यानि नाल़ बोज़ुन गो'छ़ुख।
म्यहसा' चा'नी आशा छमय॥
हो हो करय......

दूर्यर ब़नो चोन च़ालय,
दिल को'रमय गो'डय हवालय।
याद हसा' प्योहम दम दमय॥
हो हो करय .....

ध्यान धारना धाऱनावतम,
मनि मंज़ा सुय ठह़रावतम।
मस्तानि च़'य मंज हसा' रम़य॥
हो हो करय......



मुश्किल गो'र् चोन

मुश्किल गो'र् चोन, नेरुन गोम।
यि कवा ज़ख्मन, ताज़् नून प्योम ॥

रहबर वथ् छय हावन्य चेय,
नत मा कुनि वति, रावय बय।
अमृत धाम चानि प्याल् चोम ॥
मुश्किल गो'र् .....

लगयो म्यति करिज़ि तति ज़ांह साल,
वुछत मन म्योन गोमुत छु बेहाल।
नवि खोत् नो'व, पम्पोश नव्योम ॥
मुश्किल गो'र्.....

चानि लोलुक ओसुम शेहजार,
अथ् प्यठ थविथ्य बूज़्यथम ज़ार।
रात दोह चोनुय नाव सो'र्योम ॥
मुश्किल गो'र्......

येलि ध्यानस मंज़, ब् करथ याद,
तेलि दर्शुन दिथ करिज्यम शाद।
वनतम जोद मा करिथ गोम ॥
मुश्किल गो'र्......

गो'र् देव बिहिथ छुम बडि आसन्,
प्रथ क्षण् येति छुम भासान।
तोति वनत मन क्याज़ि त्रह्योम ॥
मुश्किल गो'र्......

गो'र् देव म्योन ओसुय भगवान,
तमिसुय सा'त्य छस लय गछ़ान ।
लो'ति पा'ठ्य संसार म्यति त्राव्योम ।।
मुश्किल गो'र्......

शुशो पंजस मंज़ छस गा'मुच़,
याद छुम कुस, कस छस प्येमुच़ ।
यिनाह् वनख कुस म्य पत लार्योम ।।
मुश्किल गो'र्......

लगयो च़ेय हा मदद् गारो,
यीतनय च़ेति म्योनुय आरो ।
चानि सा'त्य ज्ञान ध्यान लार्योम ।।
मुश्किल गो'र्......

वनत वो'न्य कति छाड् चोन पय,
पय प्रा'विथ पत गछ़हा लय ।
म्यह्सा' सदा भक्ति धन छ़ार्योम ।।
मुश्किल गो'र .....

मस्तानि चालव वो'न्य गोछ़ ध्युन,
यूग् मार्ग् किन्य तूर्य ह्सा' न्युन ।
गो'र् मन्थर सा'त्यन प्राण रट्योम ।।
मुश्किल गो'र् .....



चश्म् लोसम कूत कर

चश्म लोसम, कूत कर् इन्तिज़ार।
गो'र् म्यानि लगयो, यीतनय आर।

बर् तल आमुच् छस गदाह,
वाय म्योन बोज़िना कांछ़ा सदाह,
वछ़ि वां'लिज कसवनु दिलक्य ज़ार।
गो'र् म्यानि लगयो .....

प्राण अपानस मंज़ थवथ रटिथ,
मनु किस मन्दरस मंज़ हो खटिथ।
पत च़्य गंडयो, मन मो'ख्तहार॥
गो'र् म्यानि लगयो .....

आसर चोनुय, म्य ओसुमना,
मन तारन मंज़, भासुहा'मना।
दह्मिस द्वारस प्राण वाल खार॥
गो'र् म्यानि लगयो .....

क्याह छुम त्रावुन क्याह छुम प्रावुन।
कस छुम लोलु हो'त मन हावुन।
हनि हनि जीव गोमुत लाचार॥
गो'र् म्यानि लगयो ...

शरणागत भक्त वत्सलय,
पूज़ाह करान, यिनसा'ह कलय।
चालान छस संसारुक बार॥
गो'र् म्यानि लगयो......

गीतायि हुंद ज्ञान, बेयि बोज़नावतम,
वैराग भाव पत सनिरावतम ।
शायद बेयि बनि म्य चोन दीदार ।।
गो'र् म्यानि लगयो.....

शिव लूकस तोर वा'तिथ्य,
पानवुन्य ठाठ्यन हा मीलिथ्य ।
गो'र् शिष्यस गव मिलचार ।।
गो'र् म्यानि लगयो......

गो'र् देवस ब्रोंठकनि भजन न सा' परुम,
बस मन अख, सो'न ह्य़ुव गरुम ।
भेंट छसय करान, अज़ भजन भण्डार ।।
गो'र् म्यानि लगयो.....

सुब दम् सो'पन् मां'ज्य हा आह्_म,
धैर्य वान गो'र् घर् हसा' चाह्_म ।
तमि विज़ि वो'नमय ओवतार धार ।।
गो'र् म्यानि लगयो .....

करुणाकर छिह्म शूभायिमान,
तीज़ा सो'स्त छुह्म, बेयि दयावान ।।
मस्ता'न्य छय वनान लोल् असरार ।।
गो'र् म्यानि लगयो यीतनय आर ।०।

—●—

छ़ारन्य द्रायस गो'र् सरकारस

छ़ारन्य द्रायस, गो'र् सरकारस,
इश्बर आश्रम प्रारसो।
वनिहेम हय त्, ब् सन्यास धारस॥
निशात शालमा'र प्रारसो।०।

प्रारान रोज़्स ब् प्तिमिस तारस,
रटिहे सु म्यानि, नावे नम।
बेयि खबरा हेयि हेम, बेमारस॥
इश्बर आश्रम प्रारसो।०।

लाल् सा'ब, साल करयो बहारस,
पोशन वुछत् फुलया मा छम।
वल यित् नज़रा दित् पोशि वारस॥
इश्बर आश्रम प्रारसो।०।

म्योन ख्याल कति रोज़ि तस दिलदारस,
नत् मा न्येरिहेम प्र्छ़नय ज़ांह्।
बेचैन क़्रनस माघस त् हारस॥
इश्बर आश्रम प्रारसो।०।

परवाह मा छुम तस शाह् सवारस,
युस ओस यूगियन हुंद यूगी।
यी नय बह्सा येति पान मारस॥
इश्बर आश्रम प्रारसो।०।

साहिबो, मा'च् हिश हो पत् लारस,
वनिहेम न्येरुन हबी छुम दूर।
बुल बुल शे'छ् वनत, तस करतारस॥
इश्बर आश्रम प्रारसो।०।

मार् छस गा'मच् प्रार वो'न्य चारस,
बेयि कुस करि येति म्योन वो'पाय।
नज़ारा त्रावतम मेति मिसमारस॥
इश्बर् आश्रम प्रारसो।०।

लगयो चा'निस सत्त दरबारस्,
वीद जान ओसहा'म तति वखनान।
धोद गयि सय येलि राज छि लाचार्॥
इश्बर् आश्रम प्रारसो।०।

लोल कूत बो'रनम त'म्य नादारस,
नत कति गछिहेम दय सन्ज़ जान।
लगयो गो'र् चा'निस शिव सारस॥
इश्बर् आश्रम प्रारसो।०।

वो'न्य कसन्ज़ कल रोज़ि म्ये गो'नाह् गारस,
युस ओस साहिबो नूर सुय चो'लुम।
वनतो कर् क्या यथ संसारस॥
इश्बर् आश्रम प्रारसो।०।

गा'फिलो छांडुन मंज़ व्यवहारस,
पत रोज़ि च्ये'य सा'त्त अन्द् त् वन्द्।
मस्ता'न्य ज़ाग हेयि तस गुलज़ारस॥
छा़रन्य द्रायेस ब् गो'र् सरकारस।०।



छ्ल करिथ

वलाह बोज़ छ्ल करिथ,
द्राह_म च़_ सत्गो'र् ।
कवा जिगरस फरिथ ॥
द्राह_म च़_ सत्गो'रो ।०।

यिन चानि सा'त्य,
दादि चानि म्य का'त्य ।
पत छ्रि बाव भरिथ ॥
द्राह_म च़_ सत्गो'रो ।०।

शान्त मन सागर,
भरवय हय गागर ।
बेयि चूनि जरिथ ॥
द्राह_म च़_ सत्गो'रो ।०।

बुहा भाव बीन वायय,
लोल् नाद हा लायय ।
दिल ज़ख्मी कुरिथ ॥
द्राह_म च़_ सत्गो'रो ।०।

साल् यित् लाल् ज़ार,
करिमय म्य ज़ार्पार ।
पाप म्या'न्य हा हरिथ ॥
द्राह_म च़_ सत्गो'रो ।०।

येमि चमतुक बहार,
छावि म्योन दिलदार ।
लोल् पोशि मन भरिथ ॥
द्राह_म च़_ सत्गो'रो ।०।

छायि ग्रायि छम गछान,
मन छुमना व्यचा़न ।
ब़ छस चोन नाव सो'रिथ ॥
द्राह्_म च़_ सत्गो'रो ।०।

यिऩ सो'दरस फटि नाव,
बुथि छु वरजुन वाव ।
तारस तति तरिथ ॥
द्रा_हम च़_ सत्गो'रो ।०।

येति छि लोल़ बस्ती,
असि छि चा'नी मस्ती ।
संसार म्य खटिथ ॥
द्राह्_म च़_ सत्गो'रो ।०।

छुम खसुन म्य आकाश,
कडिथ मनसय वाश ।
शैव शास्त्र परिथ ॥
द्राह्_म च़_ सत्गो'रो ।०।

सूक्ष्म भावस सनिथ,
चोन नाव मनस गनिथ ।
मस्ता,न्य पान वरिथ ॥
द्राह्_म च़_ सत्गो'रो ।०।



गो'र् हसा' द्राव बजि यात्राये

गोर् हसा' द्राय, बजि यात्राये,
दीवता अस्तुत, करनी आये ॥
बति छस आमच्, पूजाये ॥
बति छस आमच्, ।०।

बब् नज़ारा, म्यहा स्यठाह वुछुम,
चोन ध्यान, अन्तर मनस गछ्ोम ।
लगयो ब् चा'निस, लोलस तु माये ॥
बति छस आमच्.....

नभकी तारख, चानि वत् शेरान,
बति यिमह्'य, वुछिनि तो'तु दौरान ।
असि प्यठ् थविज़ि, पनुनय साये ॥
बति छस आमच्......

लगयो, बहा लल्, च्_य बना'वथस,
तल् पातालुस, च्ूरि था'व थस ।
मन: विश्वास थव गो'र् करि पाये ॥
बति छस आमच्......

येलि हसा' ब् आ'ससय आश्रम यिवान,
लोल कृत, गो'र् देव ओसहम भरान ।
रूजमुच् छसयो ब् चानि त्राये ॥
बति छस आमच्......

लगयो, च्ोय ब् इन्द्राज़ु चाले,
कुस म्य वो'न्य अनुग्रह अथ् डाले ।
यिनसा' नेरि ज़ांहति येति म्य वाये ॥
बति छस आमच्......

म्यति कुनि टाठ्यो साल करतम,
दूरि दूरि बेयि च़ूरि लोल भरतम ।
मत्याह् लगयो वो'न्य, खत्यन च़ाये ॥
बति छस आमच़......

यूगियन ह्न्दि हा यूगीश्वरो,
म्यानि सत्गो'रु परमीश्वरो ।
विज़ि विज़ि दिज़्यम पनुन दाये ॥
बति छस आमच़ .....

गो'रु लगयो, चा'निस हा लोलुस,
द्रामुत ज़ा'न छुख, च़_ सा'लस ।
वनत टाठ्यन त्राविथ कवा द्राये ॥
बति छस आमच़ .....

लछि नावि को'छि को'छि ललनावथ,
जिगरस मंज़ हसा' च़ूरि थावथ ।
आमच़ छस बहा' चानि राये ॥
बति छस आमच़ .....

मस्ता'न्य गा'मच़_ हय बेकरार,
तमिसुन्द छु यिवान दयसुय आर ।
छस करान घरि घरि सो' पाये ॥
बति छस आमच़ पूज़ाये ।०।

—●—

पीर् च. गयी पीरी

पीर् च़ गयी पीरी,
म्य ग'छ दिन्य फकीरी।
यिमय लोल् अथव सा'त्य ॥
करत दस्तगीरी।०।

यिवान रोज़ा लगातार,
करान ओस्'ह्म इन्तिज़ार।
योर यिन् सा'त्यन ॥
म्य रोज़ान छि सीरी।०।

च़_ साहिबो कलन्दर,
यि मन म्योन छु मन्दर।
लगय माफ करिज़्यम ॥
यिनस गयम दीरी।०।

अचि़थ आस्तानन,
व'न्य दिनि हा मस्तानन।
तिमव अथरो'ट करिथ ॥
म्य करख़ना या'री।०।

म्य कोताह छु वुनि पकुन,
लगय कां'सि हुन्द थ्यकुन।
दूरि येलि, वुछनस ॥
वो'नुन ठहर मन्सूरी।०।

म्य प्रुछ़ नव बहारन,
पकवन्य आबुशारन।
सु मा कुनि डूँठवोन् ॥
म्य मो'कलावि सबूरी।०।

बुछिय रूस्य क'ट पकान,
नाफ़ु अुन्दरी खटान।
बु छस दामन वटान॥
म्ये छय मजबूरी।०।

यि कवा येति छु सुनसान,
बु ज़न रा'वस अन्ज़ान।
यितम योर नितम तोर॥
वन्दय टा'ठ्य सारी।०।

गछ़िव प्रुछ़ितव टाठ्य्न,
तिम क'म्य खा'र्य का'ठ्य्न।
बु छस तार वाटन॥
यिनाह् ज़ां'ह सु दूरी।०।

न होंन्दु न मुसल्मान,
दों'नवय मयस कों'रुबान।
वन्दिथ छु नय जुव तु जान॥
बेयि हा लगय पा'री।०।

यिहय गुयि तपस्या,
म्य गछ़ि हल समस्या।
मस्ता'न्य पयस गा'मच॥
दितस मन्ज़ूरी।०।



येम्य पननि रंग् ह्य ब् रंगना'वनस

येम्य पननि रंगु बु रंगना'वनस,
तमि ल'ल बु च़ूरि पाठ्य बना'वनस।
ज़ांहति नय कां'सि पत बु हावनस॥
तमि ल'ल बु च़ूरि......

मस्तानु वनतम, को'त गोह्‌म,
विज़ि विज़ि च़्यतस येति प्योह्‌म।
रातस तोति, परज़ाना'वनस॥
तमि ल'ल बु च़ूरि......

रातस दोह्‌स यस बु प्रारन,
शामन सो'य छस न छ़ारन।
वो'न्य कवा, वनु तमि त्रा'वनस॥
तमि ल'ल बु च़ूरि......

सत्संग सा'त्य प्योम शेह्‌जार,
रंगनाविथ छुम थवान यार।
बोज़, लोलु भंगय ता'म्य च़ा'वनस॥
तमि ल'ल बु च़ूरि......

तरनुक तु मरनुक छुम तमाह,
अथरो'ट करिह्येम तु यियि जमाह।
भावना ह्यथ तस, भा'वनस॥
तमि ल'ल बु च़ूरि......

वारु वारु ज़ार बोज़ तो म्या'न्य,
म्य छि लालु गोसु गा'मत्य चानि।
तोति कमि बु लो'लि ललुनावस॥
तमि ल'ल बु च़ूरि......

कथ छस थवान, येलि लोल् कथन,
वा'न्य छस दिवान चान्यन वतन।
वनतो का'म्य ब् त'पा'वनस॥
तमि ल'ल ब् च़ूरि......

पोशिवार्नय मंज़ छु ब्यूठमुत,
नाह्_कय म्य मन छुम रूठमुत।
छो'र् छो'र् ब् क'म्य करना'वनस॥
तमि ल'ल ब् च़ूरि......

ह्यस रोव त् प्योम खटोनुय,
मस़वा'ल्य मस चव हा, चोनुय।
अनि ध्रटि ति सा'र करना'वनस॥
तमि ल'ल ब् च़ूरि......

चानि यिन्, प्रव ज़'न छे प्येम्च,
कथनुय दत ज़ान म्य गा'म्च।
प्रारान छस बहार छावनस॥
तमि ल'ल ब् च़ूरि......

न्यथ छो'रमख सो'न्दर मालन,
लाल् फेरान को'हन त् बालन।
वनत वति कवा, राव-रा'वथस॥
तमि ल'ल ब् च़ूरि......

त्रन भवनन हुंद राज़् आव,
म्या'निस मनस घरस मंज चाव।
मस्ता'न्य ब् सर् करना'वथस॥
तमि ल'ल् ब् च़ूरि......



ल'ल् ह्बाह् बीठमच् पलन तल

ल'ल ह्बाह्, बीठमच् छि पलन तल,
तस आ'स्य कऱ्न्य स्यठाह् मसल् ह्ल।
तोति संसारन करिनस छ़ल।।
ल'ल ह्बाह् बीठमच् .....

यिमऩय करान आ'स लो'ल़मत लायि,
तिमवय दिच़मुच् छह्'स दिलस ग्रायि।
सो' वनान मऩ म्यानि, च़_ मसा' डल।।
ल'ल ह्बाह् बीठमच् ...

त्राहि त्राहि मन ओसुम करान,
बस वो'न्य, अख दय नावा सो'रान।
बाकु़य छु सोरुय येति, दल दल।।
ल'ल ह्बाह् बीठमच्.....

यस ब़ द्रायस, छ़ारन्य चोपा'री,
सु हसा' आमुत, बूज़ुम यपा'री।
लगयो, तोति रूज़ाय म्या'नी कल।।
ल'ल ह्बाह् बीठमच्......

दो'पमस, जन्मा ह्योतुम चानि वेरि,
शऱ लदन, शर कर सनाह् नेरि।
तोति ध्रुतमुत छुनस दयन बल।।
ल'ल ह्बाह्, बीठमच्.. ...

वुछ बागस छ'म पोशि फ़ुलया,
मत्यन! दिलस दा'ध्य च्'लिम।
मऩ स्यो'द रोज़ बा कुनिमा ह्'ल।।
ल'ल ह्बाह्, बीठमच्......

येति छस करान, चोनुय इन्तिज़ार,
ज़ून् गाशस मंज़, वुछुम दीदार।
तवय हसा' योर युन गोम सफल॥
ल'ल हबाह, बीठमच्......

शेछ् व'नी ना, च् कां'सि म्या'नी,
गाजिथस क्याज़ि ब्, दानि दानि।
रातस लूस्स, लीखित चा'न्य गज़ाल॥
ल'ल हबाह बीठमच्......

ओ'ब्र तल् वुछुम सिर्य द्रामुत,
टो'ठ ओसुम तसल्लाह दिनि आमुत।
थर् थर् त्राव्, मन् म्यानि संभल॥
ल'ल हबाह बीठमच् .....

चोन दरबार, येलि ब् चायस,
खा'ल्य मसा' ज़ांह तोर आयस।
तति पूज़ि ला'ग्यमय लोल् कमल॥
ल'ल हबाह बीठमच्......

ज़िंद् येलि मन मरि, गछिन् बेमार,
रिन्दन मंज़ तति, दय कर्यस शुमार।
बेयि बनिहेम, लो'ल् ज़ख्मव बल॥
ल'ल हबाह बीठमच् ...

वार् वार् वां'स आयि सोरान,
मन क्याज़ि तोति ओस दोरान।
मस्तानि मस्ती हुंन्द सूर भल॥
ल'ल हबाह बीठमच् छि पलन तल।०।



वनतो मन् म्यानि लो'गुख कथ

वनतो मन् म्यानि लोगुख कथ कारस,
वा'न्य दिज़िहे, तस शाह सवारस।
गछ़ वुछ, तति मा छुख च़_ शुमारस॥
वा'न्य दिज़िहे, तस लाल् ज़ारस।०।

प्रारान बति छस, नविसुय बहारस,
युस हा, मन् पम्पोष फो'लराव्यम।
गा'फिलो, राव म'बा, माघ तय हारस॥
वा'न्य दिज़िहे, तस शाह सवारस,

घाट् छुम प्योमुत, येति बापारस,
युस हसा' करियोम, संसार् पुचि़।
त्राविथ सोरुय, त'स्य पत् लारस॥
वा'न्य दिज़िहे, तस शाह......

चाव् सान छोंडमख, सत्त बाज़ारस,
मो'ल कडनावहा'म तति मा ज़ांह।
तव किन्य छोंडमख प्रथ कुनि शाहरस॥
वा'न्य दिज़िहे तस शाह......

अकि दोह_ खबर, हेयि मा म्य नाबुकारस,
बुहय छसय, हच़र ज़ाद हिश प्रारान।
तोति लगहा'य चानिस गुलज़ारस॥
वा'न्य दिज़िहे तस शाह......

वो'थ बा प्र_छ़, तमिसय, मो'ख्तुहारस,
युस छुय चाने द्रय करान।
चार् करिहेना म्यानिस सहारस॥
वा'न्य दिज़िहे, तस शाह......

शेछ़ हय सूज़मच़ छनम, ह्यथ खबरदारस,
यिनय रातस नेन्दर्‌ त्रावख।
टोठ तय छु फेरान प्रथकुनि द्वारस॥
वा'न्य दिज़िहे तस शाह......

लगयो, राग मेलि, कर म्य दागदारस,
माघस मज़ तेलि, द्राग च़लि ज़ांह्।
वुछिये सु ज़ांह्, म्यानिस संत कार्‌बारस॥
वा'न्य दिज़िहे तस शाह ...

कर्‌ क्याह्, अछन हन्दिस आबशारस।
शालमा'र ह्यु व ज़ान छिम बासान।
सुय करि अथरो'ट मेति मिसमारस॥
वा'न्य दिज़िहे तस शाह......

साहिब द्रामुत छु बूज़ु म शिकारस,
तस छस ज़'न अथि आमच़।
नज़रा त्राविथ गोम ज़ान बेमारस॥
वा'न्य दिज़िहे तस शाह......

खो'श गछ़तो, वुछिथ बन्दन हारस,
म्यहा बूज़, च़ माह् छुय योर युन।
खबरा प्रछ़हा, तस नागवारस॥
वो'न्य दिज़िहे तस शाह......

कर्‌ क्याह्, यथ चानिस खुमारस,
युसना कुनि विज़ि छुम बासा'नी।
मस्तानि छ़ारबा, वो'न्य मंज़ मज़ारस॥
वा'न्य दिमहा तस शाह सवारस।०।

—●—

म्यति वाद् थोव्नम

म्यति वाद् थोवनम, शामनस,
थफ दिच्नम, दामनस ।
बेयि हय, चावनस लोल् मस ॥
पत म्य रोवुय, होश त् ह्यस ।०।

लोल कोताह, छुम भरान,
ज़ो'द ज़'न ओसुम करान ।
हा फकीरस, वोथ हा दस ॥
म्यति वाद् थोवनम.. ...

प्र्छनम, च़्_ हठ् त्राव,
गोस् गो'यय सु मशराव ।
वात्ना'वनस हा पयस ॥
म्यति वाद् थोवनम .....

कम्य ब् कर्स रुसवाह,
यिमाह छुम लोलुक प्रवाह ।
वनत तकसीर येति छु कस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

दोपनम गो'ड् मच्र त्राव,
अद् परम पद च़्_ प्राव ।
पत मा छख, बेकस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

यि कुस म्य करान आलव,
वानस हा ध्युत म्य फालव ।
बोज़, चा'नी टा'ठ छस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

हतो पीर् सोज, बोज़,
ग्यवान छसय लोल् सोज़।
यारान् सा'त्य ब् गा'जिनस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

श्माह् पान हा'विथ गव,
पोंपुरन क'र हो, दव् दव।
बति मय लजिस तावनस।
म्यति वाद् थोवनम......

यिनाह् म्य गछ़ि अभिमान,
त'मिस वंन्दिम मन त् प्राण।
तवय त'म्य हेछिना'वनस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

साल पज़िहेस, मेय करुन,
तमिस छु मन म्योन, सरुकरुन।
ता'म्य लोल ब् छावना'वनस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

सुमा म्यानि वेरि आव,
म्ये क'रुमच् छह् स्यठाह् ग्राव।
ब् हबी वनस ! लालुस ॥
म्यति बाद् थोवनम......

म्य को'र चोन ऐतिबार,
तवय करान इन्तिज़ार।
छारिथ त् प्रारिथ थ्चस'स ॥
म्यति वाद् थोवनम......

—●—

म्य गयि वदान वदान गित्य,
पोश चा़रिम, च़्य हा किथ्य।
कां'सि न् बी हा'व्यनस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

लोलस कम्य खोर चलेजाव,
यो'हय गवना आत्म भाव।
मन ह्यथ, ब् हय सा'वनस ॥
म्यति वाद् थोवनम......

दमाह् बेहत श्माह् ज़ाल,
म्य को'र् मन च़्य हवाल्।
मस्ता'न्य वा'च़ परम पदस ॥
म्यति वाद् थोवनम शाम्नस ।०।
थफ दिच़नम दामनस ।०।

—●—

ब्हय कसंजि़ आशे लजिस

बहय कसंज़ि आशे लजिस बाल वारे,
हा म्यानि गाशे आलव बोज़।
लोल् हत्यन का'म्य करिनम का'शे ॥
हा म्यानि गाशे आलव बोज़ ।०।

त्रफ गां'मच़ छस येमि संसारय,
वारय म्या'न्य दा'दी बोज़।
लोल् किस, ध्यानस यिन प्यन होशे ॥
हा म्यानि गाशे, आलव......

त्रावि शय यिन थवहा'म येमि विश्वासय,
ज्ञान द्राति सा'त्य पाप च़टरावतम।

पत् वुछत, लीखित क्याह् छुम राशे ॥
हा म्यानि गाशे आलव......

सो'ख् दो'ख् विज़ि मा, प्रछनम कां'से,
वांसे प्रारिथ हा चे़य ।
पन्न्यन पननी छि कड़ान पाशे ॥
हा म्यानि गाशे, आलव ....

ठह्रान मासा' छुम मनसाराम,
आराम कति मेल्यम ।
वथ रटहा जांह च़_त आकाशे ॥
हा म्यानि गाशे.....

हा मन् ध्यान थव, पननिस,
वानस फावल दिथ ।
पत विमर्श कर, ध्यान्चि त्राशे ॥
हा म्यानि गाशे .....

म्यहा छय चा'नी द्र_य हो साहिबो,
चाने दादि आयस ब् योर ।
जन्माह धोरुम अमि अभिलाशे ॥
हा म्यानि गाशे

दोह् रात मन, दानि दानि तूलुम,
ब्योल वोवुम सूहमसू ।
नज़ारा त्रावतम, अश्कचि चा़शे,
हा म्यति गाशे ....

मस्तान् मय चव, अमि आशे,
दय मा जांह तूर्य नियस ।
भा'गरावान ओस लोल् बताशे ॥
हा म्यानि गाशे......



वो'थ तुल खंजर कर

वो'थ तुल खंजर, कर बिसमिल्लाह्,
मय्य छिय, गा'मत्य गोडय ज़बाह् ।
अमि वति पुकिथुय मिसमार छु मिस्कीन ।।
वनतम अज़ातान्य, गयि का'त्य तबाह् ।०।

दिलकिस महलस मंज़ छुख प्रज़लान,
लूभान छुम मन, बति वातहा ।
तंबला'विथ गोम मा चश्म् नूर ।०।
वो'नमस, ज़ांह् यित योर रबाह् ।०।

दुरदान् प्रारान छस चानि ज़ियें,
द्र्य म्य, पत मशनम,
ज़ांह् यित घनि घटि पानय वो'टि वो'टि ।
खो'र वाह्रा'विथ, रोज़तम शबाह् ।०।

परतव चोन प्योमुत म्य मनसुय,
खनसय कति संसार ।
घरसुय मंज़ हसा', जोगन बनसुय ।।
लगयो ज़ांह् यित, दिख म्य दगाह् ।०।

कशि तीर लायिथ, लशि नार छुम गंडान,
अशि म्यानि सा'त्य सा'र्य गो'य दामन् ।
वछि वछि रातस छस्यो दिवान ।।
वनतो दर्शुन चोन बु लवाह् ।०।

पतिमे प्यारे चानि वनहारे,
छो'र् छोर् करिथ को'रुम इन्तिज़ार ।
कबरे मंज़ तान्य क्रख आ'स द्रामच् ।।
यिनस् सुजावख म्य रो'स् सबाह् ।०।

मनिकस आ'नस मंज़ छस्यो वुछान,
साहिब तति छुम, नज़रि गोमुत।
चा'नी कायनात फट लाविथ छि येति॥
असवुन तु फो'लवुन वुछुम समाह।०।

चानि वेरि त्यागक्य जाम पा'रा'विम,
यारुन छु च़ेय तामथ साहिबो।
तारस प्रारान, यारस बु छस्यो॥
युन मा यो'त तस ज़रूर पेयिहबाह।०।

ज़ो'ज़ारा च़ामुत, छुम म्ये सो'न्दरे,
थज़रय प्यठ नज़रा त्राथतम।
घरबार मो'ठुम च़ेय तसल्लाह गो'यनो॥
पानय दित्यथम येति ज़'न दबाह।०।

यावनुन बाज़ार तावनुन छु संसार,
दो'नवय येति हो वुछिम च़लवुन्य।
मस प्यालु भरिथय थविमय च़ेय किथ्य॥
लगयो लोलु सान अज़ चबाह।०।

तेलि मा युन पेयि योर शाहज़ादो,
येलि मस्ता'न्य श्रेपि मर गुज़ारन।
हंग मंग फो'लहन, गुल म्य मज़ारन॥
चानि शफगुच़ गछ़िमा फनाह।०।

वो'थ तुल खंजर कर बिसमिल्ला।
टा'ठय छिय गा'मत्य गो'डय ज़बाह॥

—●—

दम हेनचो मोहल्लत म्य दिम

दम हेनचो मोहल्ल म्य दिम,
गम कास हनाह, गम कास हनाह ।
कुम कुम सितम, गा'मत्य म्य छिम ॥
गम कास हनाह, गम कास हनाह ।०।

पुश्रोवमुत येमि चय छुनय,
तस गो'छ ज़िन्द रोजनु ध्युनुय ।
तस वनसु, घरि घरि येति नमाह ॥
गम कास हनाह......

दासन मंज़ म्य, दास गंज़राव,
न्याय म्योन लो'त पा'ठय अंज़राव ।
हंग तु मंग, ज़ांह पानु योर यितम ॥
गम कास हनाह......

मशरा'विथ, संसारचि वतय,
याद छम प्यवान, प्रान्य कथय ।
नमिथुय तु शमिथुय, तरन कम ॥
गम कास हनाह......

रास आम ना येतिक्य कारबार,
तवकिन्य छोरुम चोन द्वार ।
गालुन गो'छ म्य अभिमानु ख'म ॥
गम कास हनाह ....

मनुकिस यथ दरियावस,
तरु किथ वरजनिस वावस ।
लोलु पम्पोश मासा' फोल्लनम ॥
गम कास हनाह......

म्य छि चा'नी द्रय लोल हो आम,
मंदिन्यन करिथुय गोम शाम।
वलसा' वुछत वुनिति मा छु दम॥
गम कास हनाह .....

लगयो वसवास म्य कासतम,
हनि हनि मनि मंज़ भासतम।
खो'श गछ़ वुछिथ चोन लोलुथम॥
गम कास हनाह ....

येति मा छु रोज़ुन कां'से,
प्रारान कुस छु कस वां'से।
ज़ांह मा म्य साहिब, याद प्येयम॥
गम कास हनाह ...

घर् नावान छसयो येति दो'हय,
दोह गुज़ारुन, चानि रो'स कोहय।
आशा म्य तोति तमिसंज़ छम॥
गम कास हनाह ....

मास्ता'न्य वुन्य छुम न्येरुन दूर,
मेति करनि यठि तति मन्ज़ूर।
छय दपान कुनि विज़ि म्यति॥
गम कास हनाह, गम कास हनाह।०।

जोग्यो लगय जूग्य नावस्य

जोग्यो लगय जूग्य नावसुय,
असवन्यहा टा'ठिस सो'भावसय।
फो'लवन्यस चानिस वावसय॥
जोग्यो लगय जूग्य नावसुय।०।

मंज़िलस म्य वातुन छुम ज़रूर,
बेशक सु कोताह आसि दूर।
मेलुनुक म्य छुमहा, हावसय॥
जोग्यो लगय

ललुवान बु छसना लोलु दोद,
कुम्य तान्य को'रनम हा जोद।
शेहजार वुछुम अश्क तावसय॥
जोग्यो लगय.....

डाबर बजावान छुख यिवान,
भंगुमत्या हंग मंग छुख नचान।
च_ति मा लो'गुख, यति दावसय॥
जोग्यो लगय.....

जागतुक राजु, आसिथ फकीर,
वनत क'म्य ल्यूखनय चोन तकदीर।
यि सो'रान मासा' बु रावसय॥
जोग्यो लगय .....

अज़मावथस हसा बु बेशुमार,
वनु नस तिमा थो'वथम हा वार।
मिलुचारुक समय चयतस पावसय॥
जोग्यो लगय .....

यठ्य आ'स्य चा'न्य, च़ेय प्यठ फिदाह,
रूज़िथ मासा' हेक्य तिम जुदाह।
ओ'श कृत वो'न्य येति त्रावसय॥
जोग्यो लगय......

छिय ह्वाल्, लाल् यठि म्यानि,
विश्वास थोवुम, छम द्रय चा'न्य।
शेछि वाच़म ह्यथ कावसय॥
जोग्यो लगय.....

तलवारि दारि ह्व छु द्वार चोन,
सौदाह ति मासा' छु, छोन म्योन।
सर च़रनन तल ब् त्रावस्य॥
जोग्यो लगय......

करतान्य चो़ल्मुत छु यावुन,
त्रावबा म्य वो'न्य, क्रेशनावुन।
मन्सूर् मन ह्सा' ब् सावसय॥
जोग्यो लगय......

ग्राव त्राविथ वाव ह्य़ुव यितो,
हंग तु मंग म्य ह्सा तूर्य नितो।
मस्ता'न्य वुछतम च़् चावस्य॥
जोग्यो लगय जूग्य नावस्य।०।

—●—

अ॒दर्योमुत मा छुय लोल्

अदर्योमुत मा छुय लोल् दामान्,
म्यानि अ'शि सा'त्यन मस्तानो।
बडि दरबार् छसथ च॒य छारान ॥
साहिबो म्यति हा, छिय प्रारानो ।०।

जुव त् जान वन्दयो हा म्यानि दुरदान्,
पानस तान्य मा, केंह् थोवुथम ।
येति तति च॑य छसय प्रारान जानान् ॥
साहिबो म्यति ....

अर्ध रातन, येलि छुह्म वुज़॒नावान,
वो'थ बी, वेल् वोत साधनायि हुंद ।
थर् थर् चा॑यम, अ॒छि छसय मुच॒रान ॥
साहिबो म्यति......

मटि छिय च॑य हसा', सा'री सन्तान,
यिम हसा' वति प्यठ छि वत् हावक ।
भक्ति भाव सा'त्यन, च॑य छी पुश्रान ॥
साहिबो म्यति......

मंगनस क्युथ गो'ड्, खास दितमो बान्,
अद वान् वान् गछ॒ फिरनावन्य ।
रूदुख च॒ टाठ्यन अवुलय मेह्रबान ॥
साहिबो म्यति......

गूर् गूर् करयो, हताह् म्यानि दुरदान्,
लोलुस म्यानिस वुछत छासा' असर ।
बु॒र्य बु॒र्य वुछिमय, तति चा'नी खज़ान् ॥
साहिबो म्यति......

वछि वालिजि छिय आमत्य देवान्,
को'छि हसा' दित्यमय, भक्ति धन करोर।
सो'र्हुथ किथाह वो'न्य, बाश आसतम दिवान॥
साहिबो म्यति .....

घर् नेरनुक ब्ल्य गोमो बहानय,
मन् मंज़लिस मंज़ ललुनाविथ।
बूज़ुम बठि छुख नाव म्या'न्थ खारान॥
साहिबो म्यति ...

लूक् लजायि किन्य, पाम् छस चालान,
साहिबो क्याज़ि क्रथस पशेमान।
म्यानि दाध्युक दवाह, च़्य छुख जानान॥
साहिबो म्यति......

चार् करत् ब'ड कथ छम चोन यारान्,
मन क्यन तारन, वाठ छस दिवान।
गारान छसथो, को'ना छुहम थारान॥
साहिबो म्यति .....

आवलुन्य मंज़ खारतम छुखच़् भा'गरान,
तावनुन बाज़ार वुछुम भवसर॥
युन गछ़ुन असि हिव्यन छुन् शूभान॥
साहिबो म्यति......

दीदार बनिहे, म्यति कां'सि हंध्य बहान्,
अमावसि मंज़ ज़ून् पछ भासिहेम।
त'नय प्यठ मस्ता'न्य हमान त् शो'मान॥
साहिबो म्यति हा छिय प्रारानो।०।

—●—

हा मत्याह् अ'स्य रूज़्य

हा मत्याह् अ'स्य हा रूज़्य,
गारस मंज़ खटिथ।
सौदा गव खत्म,
वान थो'वना वटिथ॥

चल्वुन छु संसार,
कस प्यठ छु एतिबार।
तव् किन्य रिन्द् तान्य,
रोज़ान् छि न'टिथ॥

मताह् करत् थप् थप्य,
पनन्यन तु परध्यन।
मोह् ममता, गछ़िना हा थवनी चटिथ॥

नोव घर् छा'यं छा'यं,
पर् यिनाह् प्यम् जांह्।
अरसर छस करान,
क्याह् गव गटिथ॥

पार् पार् को'रनम हा यार् सुन्दि लोलन।
वार् मा छस ब्, बेशक रूज़स हटिथ॥

दाया प्रुछमुत म्य बा'यि,
साधन त सन्तन।
अ'स्य छि रूध्यमत्य, म'त्य सदाह्।
मन त प्राण हा वटिथ॥

योतान्य ज़ोव छु ज़िन्द्,
गिन्दनोवथन सु ज़ार।

थकिमुत्य अ'स्य, कोताह् छिय, ओ'श छ'टिथ ॥

ज़न्मा सोर्यव असि, सों'बरान हा सामान् ।
अपज़ी मायायि, थविमुत्य अ'स्य वटिथ ॥

लोल् आवाज़ म्यानि, यठि गयिना च़्य कनन ।
तावनस लजिसय, सोरुय छुम वटिथ ॥

तमि सूज़िनम ख़ज़ान, भा'गरुन्य छि ला'ज़िम ।
पज़िहे रोज़ुन असिति, अ'थ्य प्यठ डटिथ ॥

अन्ज़ान आ'सुस स्यठाह्,
विश्वास म्य को'रुमय ।
मस्ता'न्य ज़िन्दगी थ'वमुच़ जन खटिथ ।
सौदा गव खत्म, वान थो'वना वटिथ ॥

—●—

मचि़ नेन्द्रि मंज़ वुज़ना'वथस

मचि़ नेन्द्रि मंज़ वुज़ना'वथस,
ललुना'वथस, सो'लना'वथस ।
लगयो च़्यतस हसा' था'वथस ॥

तमि पत, म्य तति भास्योम प्रकाश,
बस छम हा, चा'न्य अख आ'श तु गाश ।
वारु वारु, यारु परज़ुना'वथस ॥
लगयो च़्यतस हसा' थावथस ।०।

समयस कुरिथ, युस रूद शुमार,
तस छनु कांसि हंज़, ज़ांहति लार ।
मनि मंज़ बिहिथ, वन्य थावथस ॥
लगयो च़्यतस.....

वां'सा गयम येति ब'ल्य नचान,
केंह छुन् मनस, कां'सि हुन्द व्यचान।
लोलुक वच़ुन थवना'वथस ॥
लगयो च़यतस......

लो'कचार गोम, ज़ायि गिंदान,
यावुन रूद येति, बु़ल्य वदान।
तमि विज़ि ब्, मस जन चा'वथस ॥
लगयो च़यतस.....

शूभिदार तिम छि, यिमन छु वैराग,
ला'रिथ छुखना, मो'हुक ति दाग।
थचिसुय तोति, दवनावथस ॥
लगयो च़यतस.....

सेवा टहल सारिनुय क'रम,
नित्य नियम, गीता पाठ पो'रुम।
पज़ि वति हा, टाठि लागना'वथस ॥
लगयो च़यतस .....

बालुयारु गो'णनुय हो लगय,
रोवुमुत ज़'न म्य, ज़ा'व्युल नगय।
सूक्ष्म ताव् सा'त्य, तवुना'वथस ॥
लगयो च़यतस......

आर यीतनय म्यानि दावकुय,
कडतम तमाह येमि भावकुय।
शेहजार सा'त हा शेहला'वथस ॥
लगयो च़यतस......

अड रातनय आलव दिमय,
अस्ताननुय चान्यन नमय।

न'म्य न'म्य तोति नमना'वथस ॥
लगयो च़यतस......

दमदार छम चा'नी सथाह,
र्‌त्य कार्‌ हावतम र्‌च्‌ वथा।
ब'ल्य हो ब्‌ येति बलना'वथस ॥
लगयो च़यतस......

वस्‌वास कासखना मत्यन,
मस्ता'न्य छि चाम्‌च्‌ लोल्‌ खत्यन।
स'जद्‌ हा सदाह करना'वथस ॥
लगयो च़यतस हसा' था'वथस ।०।



न्यथ प्रभातन प्रथ सातन

न्यथ प्रभातन, प्रथ सातन,
छस करान, चोन इन्तिज़ार।
यिताह साथाह, बेहत्‌ राथाह ॥
करत वो'न्य, म्योन ऐतिबार ।०।

छुमन्‌ वो'न्य येति मन लगान,
च'ल्य च'ल्य छस दूर च़लान।
व'न्य दिच़मय न'न्य पा'ठ्यन ॥
चाल्‌ कोताह लोल्‌ नार ।०।

योर यिताह ज़ांह सोर छुन कांह,
वुछत्‌ लोलस, लगि म्य ताह।
ज़ांह यिहा'ख, कांह सोज़्‌हा'न ॥
युस च़य वनी म्योन ज़ार ।०।

नान् वानय फीरिथय,
बान् मा म्योन बरन् आव।
शान छम अख चा'नी॥
दान दिज़्यम दर बाज़ार।०।

वासनायव गाजिहा'स,
तावनस ज़ान ला'जिहा'स।
खास आसन पा'रिथय॥
दित म्य भवसरस तार।०।

माथि चाने आयसय,
दाय बूज़िम का'त्याह।
वाय लजिसय, दावस॥
मेलनस आमुत म्य चार।०।

रंग महलन हुन्द बजरा,
हाव् कस युथ ह्यु॒व थज़ारा।
चाव् चाने बीठमत्य छिय॥
सन्त ताम्य बेशुमार।०।

वल् वनय अज़ा दास्तान,
नेरि दिल्कुय अरमान।
फेरि श्रेह् येलि चो'वापा'रय॥
टाठि रोज़ानय बरकार।०।

चानि यिन् सा'त्य प्रव पेयि,
म्यानिस थानस बेयि जहानस।
बूज़ु॒म यलि टोठ वात्यम॥
सुय छु म्योन सारुक सार।०।

गम छु मनस बस यूतुय,
प्रारुन पेयि बेयि कूतय।

तारु वोल दियि तार पानय ॥
बेयि छु वो'न्य म्य क्याह् बकार ।०।

करि अ'शिस म्य मालु लालो,
हाल कुस भावी म्योन ।
सालु यिखना अख दमाह् ॥
वुनिति ओयना म्योन आर ।०।

येति छु सोरुय प्रभाव चोनुय,
ब'ल्य बहान गवना म्योनुय ।
मस्ता'न्य रस लो'ग प्रोनुय ॥
छ़ोरनख बारम्बार ।०।

—●—

बडि पायि लगय मायि

बडि पायि लगय मायि,
प्रथ जायि अनुग्रह कर ।
आयस बु बडि श्रदायि ॥
जायि जायि अनुग्रह कर ।०।

बूज़ुम सु अज़ वाति योर,
बरस वो'थ थोव म्य तोर ।
लगयो चानि कृपायि ।
प्रथ जायि अनुग्रह कर ।०।

यस आसि अथ प्यठु चोन,
तस क्याह् छु बेयि छ़ारोन ।
भय च़ल्यस चानि दयायि ॥
प्रथ जायि अनुग्रह कर ।०।

मायायि क्याह् छु अन्जाम,
तुल्मुत छु तमि कोह्राम।
थो'वथम च़ य पनुन सायि॥
प्रथ जायि अनुग्रह् कर।०।

मसा' वुछ च़_ शापन कुन,
पापन गछ़ि छ़यन ध्युन।
शो'द्ध छम चानि वासनायि॥
प्रथ जायि अनुग्रह् कर।०।

फलवाह् करस लोलुन,
चोनुय छु बोल बोलान।
वुछमख च़_य सरमायि॥
प्रथ जायि अनुग्रह् कर।०।

वन वास कस छि वनान,
मन छुन् केंह् ज़ानान,
गारस हसा' अ'स्य चायि।
प्रथ जायि अनुग्रह् कर॥

छसयो बु च़ेय प्रारान,
पत पत हसा' लारान।
वुछमख हर कुनि शायि॥
प्रथ जायि अनुग्रह् कर।०।

शुन्यस मंज़ रोज़ुन,
लोलुक नाद बोज़ुन।
मस्तानि च़लि त्राहि त्राहि॥
प्रथ जायि अनुग्रह् कर।०।



खो'श यि करी साहिबो

खो'श यि करी साहिबो, ती म्य करनावत्
रुत हा करान रोज़ाहा। ती म्य सो'रनावतम।०।
मायि मत्याह दायि चानि, सायि म्य छु चोनुय।
वाय! प्रारान छसयो, तार्, तार नावतम।०।

लोल हा छुम चोन आमुत,
होल मनस कासतम।
च्‌य छुख म्योन मा'ज त् मोलुय॥
राज हा करनावतम।०।

रोज़ साथा, भरसा' राथा,
कथ् तारय करहा'व।
लोल मत्या राय त्राविथ॥
त्रायि थावनावतम।०।

प'क्य प'क्य हा थचिसय,
बेयि कोताह छुम पकुन।
तार दितसा' भवसरय॥
मतसा' प्रारनावतम।०।

अज़ च् यिखना यो'र सालय,
प्याल भरिथ मालामाल।
दौर त्राविथ नेरहा॥
वार् परज़ानावतम।०।

छुम करुन क्यासा,
धन दौवलतस त् शोहरतस।
अख म्य त्रावतम नज़रा॥
पत म्य पकनावतम।०।

दारि दारे ओ'श वो'थुम,
चानि दादे सो'न्दरो।
लाबि क्याह् छुम च_य वनतम॥
यार् सर करनावतम।०।

दोह् लूसिथ शाम गोमो,
गाम चोन कोताह् छु दूर।
छो'क लद छुम दिल गोमुत॥
थख मत कडनावतम।०।

वुछ म्य क'म क'म साध सन्त,
यिम न ज़ानान, चोन अन्त।
वन् क्याह् छस स्य'ज तु ब'ज॥
तन तु मन हा नावतम।०।

छुम न वो'न्य कांह्ति लूब।
बे'यि भूगहा'ना भूग।
शूभि सा'त्य शूभ्यदारो॥
बे'यि हा शूभरावतम।०।

दमनय हं'ज्य छमन् फुरसत,
कमनय सा'त्य गोहमो।
शमहन वो'न पों'परस॥
यूत मताह् ज़ालनावतम।०।

दर्द दिलो म्यानिज़ुवो,
यूर्य यित मस थाल चावथ।
रशक गव यारन ताऩ्य॥
मस्तानि मशक लेखतम।०।

—●—

दाग लोगुम दामनस

दाग हा लो'गुम दामनस,
देहिकिस हा दामनस ।
चेय हा चा'वथस, लोलुमस ॥
क्राव करिथ हा यावनस ।०।

जन्म कवा, ह्योन प्योम,
छल करिथ मसा' गोम ।
मायि मत्या, असिति लस ॥
दाग लो'गुम दामनस ।०।

शरण तमिस छुम गछ्‌ुन,
सा'निस सो'न्दरस ह्य वसुन ।
ज़ार् पार करिम तस ॥
दाग लो'गुम दामनस ।०।

मन येलि, गछ्यम उदास,
वो'थ ब् करय अभ्यास ।
चय सिवा ब् वन् कस ॥
दाग लो'गुम दामनस ।०।

दय छु आमुत यपा'र्य,
शेहजार प्यव चो'पा'र्य ।
अख दर्शुन गो'छ्‌ुम बस ॥
दाग लो'गुम दामनस ।०।

शाहा'न करुम शुमार,
पतमा यियम कालुशाहमार ।
प्रारान छसय बेकस ।०।
दाग लो'गुम.....

कुल्यन वु़छिम गुल फो'लान,
म्य छिय दो'ख तु़ दा'छ्य च़लान।
यिन चानि दयो च़ल्यम च़ास।।
दाग लो'गुम ....

पोशि मत्या, वार्‌ बोज़,
दोह् तार्‌ येति रोज़।
न्यूनम ह्य ह्यस तु़ होश।।
दाग लो'गुम......

म्य ओस चोन चिकु़ चाव,
हृता बोज़ म्य मो राव।।
शरण गा'छि़थ आगरस।।
दाग लो'गुम......

दिलस करिथ पार्‌ पार,
च़य ओयना म्योन आर।
तार दितम भवसरस।।
दाग लो'गुम......

म्य वो'वु़मुत छु ज्ञानु़ ब्योल,
रछान तथ रछन वो'ल।
दमाह् सोन, घर्‌ च़_ वस।।
दाग लो'गुम......

हृतो पीर्‌ म' कर यीर्‌,
ब' रटय नाल चीर्‌।।
मस्तानि च़लिना वस वसु़।।
दाग लो'गुम दामनस।०।



ज़ा'न्य वाल्या ज़ान करनाव

ज़ा'न्य वाल्या ज़ान करनाव,
यिनाह रोज़ि, टाठ्यन ग्राव।
साहिबो मेति परज़्नाव ॥
यिनाह रोज़ि टाठ्यन ।०।

जखमन करत् मरहम,
दा'ग छि तिमन दमादम।
यि छु लोल्कुय म्य भाव ॥
यिनाह रोज़ि......

ज़ीव कवा दो'खदल वदान,
सो'ख छु तस, असुनावान।
युहय गव मायायि प्रभाव ॥
यिनाह रोज़ि......

वन्द् चलि त् शीन छु गलान,
दा'दि ल'द कोना छी बलान।
छा यिमन लो'गमुत ताव ॥
यिनाह रोज़ि......

पम्पोष सर'स, छि फलिमुत्य,
ब'ल्य का'म्य तान्य छि छा'विमत्य।
साहिबो म्यति फो'लनाव ॥
यिनाह रोज़ि .....

पोश्नूलन दिच् क्रख,
वो'थिव अभ्यासुक छु वख्।
दम दम क्रम थवनाव ॥
यिनाह रोज़ि......

पथ काल् छुम, बूज़ामुत,
ज़ीव दीवस छु म्यूलमुत।
हा दयो मेति मेलनाव॥
यिनाह् रोज़ि......

सन्त स्यठाह्, च.ूरि छिनाह्,
मेति ज़ोल, लोल् अगनाह्।
छस हुमान चोनुय नाव॥
यिनाह् रोज़ि......

दासी थवत म'स्ती,
सो' बसान लोल् बस्ती।
तन मन आ'थ्य मंज़ा नाव॥
यिनाह् रोज़ि......

गुण गान युस चा'न्य करान,
सु छु भवसरस तरान।
तस मा, लगि ज़ांह् दाव॥
यिनाह् रोज़ि......

चानि रो'स कुस छु लेखान,
च._य छुख म्य लेनावान।
म्योन प्यव बल्य अथ नाव॥
यिनाह् रोज़ि......

वल् सोन प्याल् भरय,
नालस चूनि जरय।
मस्तानि मन वो'न्य साव॥
ज़ा'न्य वाल्या ज़ान करनाव।०।

●

म्यति ब'र्य खज़ानय

म्यति ! ब'र्य ब'र्य थविथ खज़ानय,
तोति छस ब़ वाऩ वानय ।

रंग रंग म्य का'त्य रंग गा'म,
चाने हा वाऩ मय चोम ।
चनय गयस देवानय ॥
तोति छस ब़ वाऩ वानय ।०।

दूर्यर म्योन छु मन्ज़ूर ।
क़रथस ब़ क्याज़ि मजबूर ।
छोंड़ुथ च़्य कुस बहानय ॥
तोति छस ब़......

बड़ि पायि, योर च़_ यिखना,
असि निश दमाह बेहखना ।
लोल छासा' ज़ांह खटानय ॥
तोति छस ब़......

मुच़राव ब़रन्यन ता'री,
अति मासा' चलि म्योन ज़ोर ।
ल'ब़ ज़न म्य, सो'ऩ कानय ॥
तोति छस ब़......

यस लोल चोन ओसुम,
त़मिसा'य च़_ सा'त्य भोसुम ।
रफाक्त सु आ'ल़ दानय ॥
तोति छस ब़ ...

छ़_यं बाऩ छि, बाऩ भरखना,
तसल्लाह मत्यन करखना ।

आमुत्य छि पा'छि़ सानुय ।।
तोति छस बु......

तति प्रारहाय बु डेढ़ि तल,
येति नो चलान छु छल बल ।
कुरथस बु मस्तानय ।।
तोति छस बु .....

अवलय येमिस छु टोठान,
तस छुनु कांह्ति पोशान ।
म्यति आसि सु टोठानुय ।,
तोति छस बु......

मखमूरु यारु सूर गोम,
कुसतान्य हा वति समख्योम ।
तस सीर बु भावानय ।।
तोति छस बु......

ज़ूनु डबि साल करहा'य,
मनुकी हा प्यालु भरहा'य ।
यिता बहार छावानुय ।।
तोति छस बु......

गोमो मन म्य बेताब,
यित वुछतु क्या छुम हाल ।
मस्तानि छिय प्रारानुय ।।
तोति छस बु वानु वानय ।०।



म्य कर बनि मिल्चार

म्य कर बनि मिलुचा़र,
म्य छा वुनि सुल।
म्य रोवमुत छुम करार,
म्य छा वुनि सुल।
च़_य करतम साक्षात्कार,
म्य छा वुनि सुल।

रातस ज़ोलुम लोलु श्माह,
करार आमना अख दमाह।
चोनुय छुम इन्तिज़ार॥
म्य छा वुनि सुल।०।

बु रटहा'स भूगव,
बन्धनव तु रूगव।
च़ेय वोनथम यती प्रार॥
म्य छा वुनि सुल।०।

बु छस दिवान नालय,
यि किथाह लोल पालय।
वुछुम चोन दरबार॥
म्य छा वुनि सुल।०।

चा़रिथ थ'विमय लोलु पोश,
चा़रान चा़रान रोवुम होश।
दिह्मना च़_ तारस तार॥
म्य छा वुनि सुल।०।

हतो पीरु! गयस गीर,
बनतम लोलस छा ता'सीर।

चालान छस लोल् नार ॥
म्य छा वुनि सुल ।०।

ग्यवान रूज़ास चा'न्य गीत,
नवान रूद म्योन संगीत ।
दवान दवान यित् यार् ॥
म्य छा वुनि सुल ।०।

म्य क्याह् करन बा'य बन्द,
यिमन न्यायन कत्य अन्द ।
छावान रोज़् चोन बहार ॥
म्य छा वुनि सुल ।०।

ब् धारय हा स'न्यास,
बेयि त्रावहा', यतिच आस ।
रटुन पज़िहेम म्य गार ॥
म्य छा वुनि सुल ।०।

नारस अन्दर छुम नचुन,
सुय गव दय सुन्द वचुन ।
दिलस करिथ पार् पार ॥
म्य छा वुनि सुल ।०।

वैराग जाम् वलिथय,
येतिक दो'ख चलिथय ।
ब् गंडहा मो'ख्तहार ॥
म्य छा वुनि सुल ।०।

च्_ बोज़खना म्या'न्य नाद,
मन हा गछिहेम शाद ।
मस्तानि चलि येतिच लार ॥
म्य छा वूनि सुल ।०।



पीर् च.य गो'यना कनन

पीर् च.य गो'यना कनन,
म्य गामुच् छि यत्य वनन।
यस छु गनन, तस छु बनन॥
पीर् च.य गो'यना......

यिवान यलि च'य म्योन आर,
तेली वुछ म्य चोन बहार।
पूर् कार करिथ अनन॥
पीर् च.य गो'यना......

करुन ओसुम, चोन दीदार,
ब'ल्य छुम रटान, थपि संसार।
मायि सा'त्य छु, मन प्रनन॥
पीर् च.य गो'यना......

करान रूज़ुस बु रत्यकार,
पत मा छुम कांह ब'कार।
मन ज़न आमुत छुय तवन्॥
पीर् च.य गो'यना......

म्य छुम आमुत चोन लोल,
लोलु मत्या कास म्य होल।
चोन अनुग्रह छुम बनन॥
पीर् च.य गो'यना......

लागय बय्ल तु मादल,
बेहमय चानि डेढ़ि तल।
हवन छुम मनस सनन॥
पीर् च.य गो'यना......

रंग् म'ह्लन करिथ साल,
मय छुम त'ति मालामाल।
प्रा'र्य प्रा'र्य छसय छ्_यनन ॥
पीर् च़्य गो'यना......

वानस ध्युतुम हा फालव,
टाठ्यव को'रहा'म आलव।
पार् करिनम भक्ति धनन ॥
पीर् च़्य गो'यना......

म्यानि वारि पोश फा'ली,
सा'री दो'ख त दा'ध्य ग'ली।
म्योन प्रणाम छु सन्त ज़ानन ॥
पीर् च़्य गो'यना.....

ध्यान धोरमुत छुमय,
प्राण वथरा'विमत्य छिमय।
कनन मंज़ छुम ओम्य ह्नन ॥
पीर् च़्य गो'यना......

रंग तु रूप वुछिथ चोन,
मन प्रंग गरिथ थ'व्योम।
दामनस छसय लमन ॥
पीर् च़्य गो'यना......

मस्ता'न्य छन् उदास,
तस छु भासान चोनुय भास।
कार छुह्म जमाह अनन ॥
पीर् च़्य गो'यना कनन ।०।



दिह् क्रंजि यलि, लोल् चोंग

दिय क्रेंजि यलि, लोल् चोंग बनोवुम,
तथ मन ज़ोलुम प्राणुक दीप।
ह्नि ह्नि मनसाराम मारनोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम, दय दरबार।०।

लो'ति पा'ठ्य "लाल्" मनि मंज़ ललनोवुम,
कांसि नसा' हा'वम, सो'य मीठ दग।
मन पनुन अमृन बोन्य यलि चोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम, परम दरबार।०।

ज़ेरि ज़ेरि धर्मचि हेरि मन खोरुम,
दह्न द्वारन हंज़ा ज़ान करनम।
शतदल् मंज़ आत्म दीव परज़ानोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम......

गो'ड् यलि इन्द्रियन चोब दिवनोवुम,
पत् सूक्ष्म तारि सा'त्य, गंड को'रमख।
ज्ञान गंगायि मंज़ श्रान करनोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम . ...

चानि दयायि सा'त्य, मन तार् तरनोवुम,
आवल'न्य यीतन, लछ त् करोर।
दो'छि दो'छि, मन ज़न मछि माज ख्योवम॥
अद् पत् प्रोवुम,......

अस्तानन मंज़, मस्तान् छो'रुम,
तति वुछमख गा'मच कुनी वनन।
ह्योन्द त् मुसलमान, ब्योन मसा' चोरुय॥
अद् पत् प्रोवुम......

रातस वाति यूर्य ती म्य ध्यान धोरुम,
यच् काल् प्यठ् छसय इन्तिज़ार करान।
चानि मायि मन राम् राम परनोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम......

सूर्मत्या सूर पानस कर्नोवुम,
ह्रगाह् संसारन वजिम'च् छनस।
गो'र् शब्द कनन मंज़ सु बोलनोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम......

ममतायि लंका येलि स, ज़ालनोवुम,
तेलि गयम ज़ान असलचि घरची।
परमेश्वर ईश्वर वति थोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम......

टा'ठ्यन सारिनुय, खबर करनोवुम,
अ'स्य आ'स्य गा'मत्य, मत्य तु फलवाह्।
विज़ि विज़ि मनु मो'त, ज़ोर् सान नोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम......

संसार यलि थप त्रावुनोवुम,
शायद त'थ्य वनान वैराग भाव।
त्याग सौदाह् घरि घरि हा'वनोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम......

मखमूर साहिब तनि कडनोवुम,
चूर् चूर करुम अभिमानस।
दिह् भाव हा वो'न्य मुशरोवुम॥
अद् पत् प्रोवुम......

बागस पननिस, गुलाब फो'लनोवुम,
वुछमस दिवान, मुश्क् अंबार।

नागस मंज़ आग् वा'नि कडनोवुम ॥
अद् पत् प्रोवुम......

चन्दन्किस मन्दरस, लाल् बेह्नोवुम,
साल को'रमस बेयि प्याल् भरिमस।
वैराग भाव ह्यथ संसार पोलुम ॥
अद् पत् प्रोवुम......

चोन गीत यलि, मन ग्यवनोवुम,
तेलि गयि लय, पयस सा'त्य।
मस्तानि चोनुय, लोलाह् छोवुम ॥
अद् पत् प्रोवुम, परम दरबार।०।



दया क्रनम टा'ठ्य दयन

दया क्रनम, टा'ठ्य दयन,
त् वनय क्याह्।
साहिबो, म्य चोन, लोल त् प्रेयम ॥
त् वनय क्याह्।८।

म्य छुय रातस दोःहस सुय याद प्यवान,
मन छुम ता'म्यसंध्य गीतय ग्यवान।
यि कथ मासा' खबर छि बेयन ॥
त् वनय क्याह्।०।

मस प्याल् भरिमस, म्य लोल् सान,
वनत्, युहय मा, गछ्न्य गयि ज़ान।
मन फो'लरोवुम चानि लयन ॥
त् वनय क्याह्।०।

मनि म्ज़लिस मंज़ करय गूरु गूरु,
छ्यव प्येयम दिलस मनस हा नूर।
व्यसरा'वमुच छस कालु भयन ॥
तु वनय क्याह ।०।

सनि खो'तु सो'न छुम सो'दरा खनुन,
तति गछि दयभाव, बस नवुन।
टोठ गछि छारुन लोलु नयन ॥
तु वनय क्याह ....

ज़ीव छु दीवस मंज़ यिथकुन्य,
ओ'ब्र लंगन तल छु रूद तिथ कुन्य।
अन्तर मनस, तसुन्द शयन ॥
तु वनय क्याह ।०।

रातस ओसुम श्माह ज़ोलमुत,
नाव चोन हा, हनि हनि पोलमुत।
सातस यिताह, च_ वुछ तनय ॥
तु वनय क्याह ।०।

प्रकाश वुछुम तु भास्योम च_ अख दमाह,
मन चय गंडिही मालु, छुम तमाह।
सनु को'रनम दय सनन ॥
तु वनय क्याह ।०।

तारु तार करिथ, दिलुच तार,
वारु वारु बोज़खना च_ यारु।
तम्बला'वनस चा'न्य रोयन ॥
तु वनय क्याह ।०।

सो'रगु प्यठय अ'छ र'छ मंगनावहय,
ज़ूनु डबि ज़ूल करनावहा'य।
सीर छुनु आसान मंज़ सो'यन ॥
तु वनय क्याह ।०।

मस्तानि वुछ आलम मस्ती हुन्द,
तमि हा लोल् ज़ार करतान्य ग्युन्द।
क्रय ज़ान करान दोह क्रयन।।
तु् वनय क्याह्।०।

दयाह् क्ररनम टा'ठ्य दयन।
तु् वनय क्याह्।०।



पीर् अशिस लजिम धार

पीरु् अशिस, लजिम धार,
यीर मसा' गछि़ संसार।
दिलस गयम, तारु् तार।।
पीरु् अशिस......

यिना सहलाब, यियम जांह,
फरिथ गछ़्य बेपरवाह्।
यिनाह् कांह्, कर्यम लार।।
पीरु् अशिस .....

दो'ख तु् दा'दि, करि दूर,
मन बन्यम हा, मन्सूर।
जमाह् अनत, तमाह् कास।।
पीरु् अशिस......

यि गव चो़रुय, दूर गोमुत,
ज़ख्मन छुम, नून प्योमुत।
कांह् ना यियि यो'त बारम्बार।।
पीरु् अशिस .....

ब़ कमिस छस प्रारान,
म्यति मा कांह् छ़ारान।
करिथ युस गोम, उपकार॥
पीर् अशिस......

गो'रव ध्युत सुली वरदान,
म्य बनेयी, आत्म ज्ञान।
तेली छ़्_योनुम अन्धकार॥
पीर् अशिस.....

म्यच़्_य गयम, म्यच़् हा छस,
म्यच़ी सा'त्य गोमो च़स।
दयस सा'त्य ग्युन्द म्य ज़ार।
पीर् अशिस......

यि सीर कुसहा भावी,
तरुन छु पननि नावे।
गरुन तस क्युथ मो'ख्तहार।
पीर् अशिस .....

महल छि येति त्राव'न्य,
सीर गुछ़िना, कांसि भावनुय।
दान् दान् पोष च़ार॥
पीर् अशिस.....

वांस च़्य छय लछ करोर,
ब़ बेह्य तति च़्_ यित् योर।
म्य छुख वो'न्य च़्_य बकार॥
परि् अशिस......

सबर युस करि ज़ीव,
त'मिस नज़रि गछ़ान दीव।
बोर भासान छुम, बार्॥
पीर् अशिस......

येलि साहिब यियम योर,
तेली करन नु लूक शोर।
मस्तानि हुन्द, ह्यथ करार ॥
पीरु अशिस लजिम धार।०।



वन त् तस हरस्य

वन तु तस हरसुय,
अ'छि लजि दरसुय।
म'च् छस चानि दादि, अरुसर करान ॥
यति क्याह् करसुय,
न्यथ मरु मरुसुय।
टा'ठ्य छिस घरि घरि, अरुसर करान ॥

वातुनावत म्य अपरो, च्_ भवसरसुय,
योर मासा' कांह् रोज़न्य आव।
सरु को'रम्य पान, मंज़ लोलु सरसुय ॥
हरसुय करहा पोशि पूज़ाह्।०।

क्याह् छुम करुन यथ अपज़िस घरसुय,
छा सोर अजतान्य, कांसि द्रामुत।
च्_य यति प्रारान, फो'लवनिहा तरसुय ॥
हरसुय करहा......

अबसोवुम फंब प्रारान बु वरसुय,
द'न गछि् दिन्य, करिथ कुनी तार,
तारु वोल तार्यम, गो'रु मन्थर बु परसुय।
हरसुय करहा.....

मेलिहे तु प्रछ़हा, तस दिगम्बरसुय,
मायायि मंज़ क्याज़ि फ'टरा'वथस।

आ'रत्य छिय आमत्य, तोर वो'थ थाव बरसुय ।।
हरसुय करहा .....

व'न्य मनि, मंज़ आम, मगर वुछ म्य चराचरसुय,
अ'मिस्य मा वो'नुख म्योन मस्तान् ।
वान् वान् फीरिथ, पो'ज़ बान् म्योन बरसुय ।।
हरसुय करहा......

तूफान वो'थ म्य, क्याज़ि मन् मन्दरसय,
अथ मंज़, ममतायि वास मा कोर ।
तन्हा प्रारेयस ब् मोक्षकिस बरसुय ।।
हरसुय करहा......

दोह् अकि प्रछ्योम म्य, पननिस गो'र्सुय,
यूगियन यूग किथ का'न्य स्यद गव ।
दो'पनम अशि सा'त्य, गो'ड् दि शकरसुय ।।
हरसुय करहा......

कर् क्याह् लोलुकिस, यथ मशवरसुय,
युस न करार, दिवान म्य दोह तु रात ।
क'छ् छिम गा'मत्य यति लछ् करसुय ।।
हरसुय करहा......

कर् क्याह् वो'न्य, मनकिस व्यसमरसुय,
कोताह् रात ध्यन समझोवुन ।
ज्ञान ब्योल नेरिहेम सा'त्य चाने भय डरसुय ।।
हरसुय करहा .....

मस्ता'न्य छि ज़ार् पार करान ईश्वरसुय,
मो'कलावतम यमि कलि कालय ।
माल् करनावतम सा'त्य विश्वेश्रसुय ।।
टा'ठ्य छिय घरि घरि, अर्सर करान ।०।



अर्ध रा'च़ आमुत छुम

अर्ध रा'च़, आमुत छुम यि व्यच़ार,
कांह मा अलगा'ब, दियि म्य तति तार।

प्रारान छसयो, रटिथ मन तु प्राण,
अकि दो'ह पानय सु करि कल्याण।
अ'शि चा'लि मा, म्यानि ओ'नय आर॥
कांह मा, अलगा'ब......

भरिथय नज़रि गा'म लोलु खज़ानु,
दुरदानु च़ूरि पा'ठ्य छस बु प्रारान।
अमि पतु वननस थो'वथम नु वार॥
कांह मा, अलगा'ब .....

वनि आख मनि मंज म्य मस्तानो,
ठह्राव को'रुम, गयम चा'न्य जानो।
थप्प दिच़मय, दामानस, बडि द्वारु॥
कांह मा अलगा'ब ....

वनत यूत छा अश्कु नारस ज़ोर,
रिन्द बाज़ा तान्य, गामत्य छि कमज़ोर।
दो'द वालिज गयम हा, तारु तार॥
कांह मा अलगा'ब .....

जांह का'ल्य यलि सु मेलनि द्रामुत,
ओ'ब्र तलु सिर्य ज़ान द्रेंठ आमुत।
सूज़थम मा सुय ह्यथ म्य करार॥
कांह मा अलगा'ब .....

बेशक दिह् कुल, गोमुत छु खस्तु,
वुछसा' फुलया तोति छस बरबस्त।

चानि लोलुक, वुनिति छुस बहार।
कांह् मा अलगा'ब......

रातस तारकन, ग्रन्द छस करान,
बेहोश गछ़िथ्य, म्य गाश छुम फो'लान।
अन्ध वातनाविहेम त बनि दीदार॥
कांह् मा अलगा'ब.....

मनि मंज़लिस रो'नि जरनावय,
ज़ूनि डबि, प्राण् ज़ूल करनावय,
तमि पत् मेलिहेम, बोनि शेह्जार॥
कांह् मा अलगा'ब......

पीरन, वथ हा'व म्य, चानि वतनुची,
सीरन, गयि माहिर फंब कतनुच।
गीर गव कामिल, वातुन छुम पार॥
कांह् मा अलगा'ब ....

फुटिमतिस दिलसुय अन्दर च़_ बेह,
यछ़ भ्ररिमत्यन करत अनुग्रह।
वनहा तमिसुय दिलुकी ज़ार॥
कांह् मा अलगा'ब......

चार् करिथ वादन पूर् करबा,
कुनि विज़ि छ़ेपि च़ूरि योर बरबा।
मस्ता'न्य छ़ारी बारम्बार॥
कांह् मा अलगा'ब दियि म्य तति तार।०।



सास भास्कर छुख च़्

सास भास्कर, छुख च़्_ म्योनुय,
खास आसऱ् म्य छु चोनुय।
लगयो म्य दिज़ि, दर्शोनुय॥
लगयो म्य दिज़ि......

म्यानि बुजरुक यीतनय ज़ाऱ् ज़ाऱ्,
बेयि कासतम येत्युक मऱ् मऱ्।
बदला'विथ छ'न कम लोनुय॥
लगयो म्य दिज़ि.. ...

दरबार चोन वुछ म्य शोलान,
दीवता तान्य आ'स्य डोलान।
मायि सानि युन प्योय सोनुय॥
लगयो म्य दिज़ि......

म्यानि नावि हुन्द छुख पतवार,
च़_य प्यठ को'रुय म्य एतिबार।
कासतम काच़्_ ज़ूनि ग्रो'हये॥
लगयो म्य दिज़ि ....

शर छुम, जल घऱ् बु वातहा,
थक डेढ़ि तल, चानि कडहा'।
तति छुम प्रभाव, वछुन प्रोनुय॥
लगयो म्य दिज़ि .....

यछ़ि प्रछ़ि आयस च़्_य शरण,
प्येमुच़् दयसुय, छस परन।
रुत हा गो'छ़ पानऱ् हावुनय॥
लगयो म्य दिज़ि......

मो'ल करिज़ि च़_ म्यानिस लोलुस,
परु यिनाह् प्यमय बु तोलस।
मुक्ति द्वार छुम प्रावनुय ॥
लगयो म्य दिज़ि......

दो'हस म्य को'र, यत्युक व्यवहार,
रातस छस करान इन्तिज़ार।
सा'त्य सा'त्य छुम सु छ़ारनुय ॥
लगयो म्य दिज़ि ...

तोरय दिज़्यम मन्ज़ूरी,
लोलुस छमहा मजबूरी।
च़ूरि गछ़ि सु सीरहा थावुनुय ॥
लगयो म्य दिज़ि......

वरिहेम तु करहा'स बु ज़ारु ज़ार,
प्रछ़हा'स, च़्य ओयना ज़ांह ति आर।
वार छुमना, बार प्योम चालुनुय ॥
लगयो म्य दिज़ि......

क्रख गयि जहानस तु आलमस,
मस्ता'न्य मस चथ गयि मस।
तस प्यव हालि दिल मानुनुय ॥
सास भास्कर छुख च़_ म्योनुय।०।



भक्तन हय भा'गरावान

भक्तन हय भा'गरावान,
अथ मय, थकान च़य मा'जय।
येछ़ि पछ़ि, घरि ब़ु द्रायस ॥
च़ेय कुन पकान मा'जय।०।

वनतय यि छा शायान,
पननी म्य तीर लायान।
दा'ध्य दो'ख़ु छसयय खटान ॥
व'निथ़ुय थकान ब़ु मा'जय।०।

असि प्यठ च़_ अनुग्रह क'र,
यिथ का'न्य म' लाय खंजर।
प्येमुच़ ब़ु छस म्य कडि शर ॥
रुसवाह गछ़ान ब़ु मा'जय।०।

बूज़ुम च़_ छख दयावान,
दासन दि पाऩु वरदान।
का'चाह म्य छय चा'न्य शान ॥
बोज़तय, तरान मा'जय।०,

वल़ु यूर्य करय ब़ु गूरय,
मत़ु गा'छ़त जांह च़_ दूऱय।
किथ दा'ध्य पऩु'न्य पूरय ॥
यी छस सो'रान मा'जय।०।

रहबर च़_ म्या'न्य छखनाह,
आलव ति बोज़ाखनाह।
कथ ताऱु च़_य करखनाह ॥
चोन छस बरान मा'जय।०।

जामन बु चाख दिमनाह,
पामन बु ला'जथस नाह।
आमन ति गयि खबराह।।
ज़ाप छस छरान मा'जय।०।

कोताह बु करु सबराह,
छ्_निथम म्य लोलु सबराह।
यिन ज़ांह गछ़य गुमराह।।
थो'द छस खसान मा'जय।०।

बोज़तय च्_ म्योन नादाह,
च्'य रो'स बु छसन शादाह।
पानय म्य हावतय राह।।
वति छस डलान मा'जय।०।

घरु बार तु आसुन बसुन,
केंह नय म्य, टोठ च्य रो'स छुम।
च्'य निश म्य वातुन छुम।।
दोरान दवान मा'जय।०।

कननुय च्य छय, कनु वालि,
कांह मा द्राव, यति खा'ल्य।
फेरान बु छस बा'ल्य बा'ल्य।।
मस्ता'न्य बलान छि मा'जय।०।



संसार त्राविथ यति हसा'

संसार त्राविथ, यति हसा',
अद् ज़ान गयम, च़ेय सा'त्य हसा'।
सूक्ष्म भाव प्राविथ हसा' ॥
पहचान गयम च़ेय सा'त्य ।०।

कुस आसिहा, टोठ अखाह,
मंज़ रा'च् दियम, लोल क्रखाह।
साधनायि मंज़ बिहिथ हसा' ॥
मन प्राण गयम, च़ेय सा'त्य ।०।

चन्द् छेन्य ब् द्रामुच् मन्दरस,
मन्दुछिथ खटिथ तय बेहसय।
वो'न्द साफ करिथुय हसा' ॥
ज़ांह हो म्य प्रोव, च़ेय सा'त्य हसा' ।०।

करुनावि तरनुक, छुम म्य शर,
आत्म ज़ान गछिमो, दिम म्य वर।
गलती सरासर छम हसा' ॥
वान वाहरोव म्य च़ेय सा'त्य हसा' ।०।

वुछ गाश् तारुक, खो'त हबा,
मन् कुय गुबार, वो'न्य वो'थ म'बा।
मन् मो'त म्योन, लोल् हो'त हसा' ॥
ध्यान हो म्य थो'व च़ेय सा'त्य हसा' ।०।

क्षण् मात्रस अन्दर हसा',
वुछमय म्य श्याम सो'न्दर हसा'।
ओसुय म्य चोन, आसर हसा' ॥
शान हा म्य छय, च़ेय सा'त्य हसा' ।०।

म्य केंहना, चोन सोरुय हसा'
त्रावान तवय ब् दोर्‌य हसा'।
मुच्राव बरस, तोर्‌य हसा'॥
लोल् दान् म्य म्यूल च़ेय सा'त्य हसा'।०।

संसार वुछुम छो़'ट चा़दरा,
अथ किथ वाहराव् बति खो'राह।
कथ प्यठ वो'न्य थव् बति वसाह॥
यारान छुम च़ेय सा'त्य हसा'।०।

अलगा'ब चा़यस, मयखानस,
मस प्याल् भर्य भर्य वुछमस।
चनय गयस बेह्वसय हसा'॥
दुरदान् च़ेय सा'त्य।०।

मन क्याज़ि गोमुत छुय उदास,
चान्यन टाठ्‌यन हन्ज़ ब् दास।
लगयो करतो यतो वास॥
जानान् च़ेय सा'त्य हसा'

पार् पार क'र्य म्य लोलन चा'न्य,
वार् वार् बोज़तो ज़ार म्या'न्य।
मस्तानि गयि चानि छा़यि हसा'॥
मस्ता'न्य छय च़ेय सा'त्य हसा'।०।



भास्योम कृष्ण हसा' छुम फेरान

भास्योम श्याम सो'न्दर छु फेरान,
राधायि छारन्य ओ'स नेरान।
बति छसय, गारस मंज़ प्रारान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर......

प्रथ विज़ि आ'सुस यी सो'रान,
बति आसहा' राधा ह्रिश बनान।
कृष्णु कृष्णु रोज़हय हर दम ज़पान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर... ...

म्य छि चा'नी द्रुय हताह मस्तानु,
दूरय चा'लिथ छसनो ह्यकान।
तन मन धन, सोरुय छुम मशान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर......

खबरा आसिहेम, तोरु वातान,
मत्यन निश आसहा'ख ज़ांह यिवान।
तिम हा छिय दारि दारि ओ'श त्रावान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर......

लूकव बा'ल्य कुरहा'स बदनाम,
हा मत्यो कोत गोमुत म्य आराम।
तिमति मसा' छिम कांसि बख्चान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर......

वनहा'य स्यठाह काल गोम प्रारान,
छा'रिथ मस्तानु च्वय छारान।
यारस छासा' ज़ांह आर यिवान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर......

सन्ताह् म्य नज़दीक रोज़ान,
ज़ार वननि छसयो ब़ गछ़ान।
मन छुम यति क्याज़ि दिवान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर.....

हा मऩ कुनि आसता ठहरान,
वुछ सु पानय मा छु यारान।
घरि घरि म्य छियना ब्रां'त्य गछ़ान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर......

अकि दोह् तमिसुय ब़ मेलान,
अख दोह् फुरसत छसन दिवान।
तिस दिल ओसुम पत़ दवान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर......

बो'द वारि दो'द्ध च़ूरि मसा' आस खटान,
बहा छस लोल़ वान यति वटान।
यिखना ब़ छसयो डोलान॥
भास्यो'म श्याम सो'न्दर......

च़य हसा' छिय टा'ठ़य यति प्रारान,
वाऱ वुछत लोल़ पोश चा़रान।
मास्ता'न्य छि सो'न्दरस जागान॥
भास्योम श्याम सो'न्दर छु फेरान।८।



हंग त् मंगय म्य क्याह गव

हंग तु मंगय म्य क्याह गव,
यि कुस टोठ म्य फरिथ गव।

सहज छुन् अथ वति पकुन,
न छु लोसुन नय थकुन।
तस ति मा कांह याद प्यव॥
हंग तु मंगय म्य......

अर्ध रा'च् चा'न्य आवाज़,
कनन गोम लोलु साज़।
कुस म्य वनान वो'थी दव॥
हंग तु मंगय म्य......

भजे वति सु म्यूलुम,
च्'य सा'त्य कुसू रिश्त छुम।
मन् म्यानि तसुन्द भजन ग्यव॥
हंग तु मंगय म्य......

दिल ओस म्योन लोलु हो'त,
ज्यादु पाहनत गोमुत मो'त।
प्र्छतस ग्राव कसू छवु॥
हंग तु मंगय म्य......

युथ ह्य्व वछुम यारानु,
सन् लगिथ तमिस प्रारान।
घर्बारस करम लवु॥
हंग तु मंगय, म्य......

दिल म्योन, कांह छा'र्यतोन,
रोवमुत छु, कुनि ला'बितोन।

मन् वनय क्याह्, सु छुय रब ॥
हंग त् मंगय म्य......

ब् कस वनय पनुन हाल,
कुसू थवि म्योन खयाल।
यि कमिसुन्द छुम परतव ॥
हंग त् मंगय म्य......

लोल छा यूत ज़ोरवर,
दिल ह्यथ चो'लुम दिलबर।
सीर भाविथ, असिति गव ॥
हंग त् मंगय म्य......

गो'र् म्यानि लगय यितम योर,
कायायि वो'न्य कति रूद ज़ोर।
अज़ सन्मो'ख सु प्रकट गव ॥
हंग त् मंगय म्य......

साहिब ओसुम हो आमुत,
फुट कडिथ मेति द्रामुत।
दो'पनम लोल् सा'त्य पान् तव ॥
हंग त् मंगय म्य.....

शायन छसय रटिथ बति,
द'ह्न द्वारन खसिथ छिय।
मस्ता'न्य फेरान छखय थव ॥
हंग त् मंगय म्य क्याह गव।०।



गो'र देव् लगय चानि ख़ावि

गो'र् देव लगय, चानि ख़ावि,
म्य कुस हावि चा'न्य वथ।
प्रारान छसय तचि़ तावि॥
म्य कुस हावि सतुच वथ।०।

शिष्य छिय चा'निस सायस तल,
च़ूरि चो'लुख करिथ छ़ल।
वनत! मत्यन कुस समझावि॥
म्य कुस हावि चा'न्य वथ।०।

तिथ्य ह्यिव्य ति छियव, चा'न्य टा'ठ्य,
यिमहा लोल् तारि वाटि।
तिमन कुस अथ् प्यठ थावि॥
म्य कुस हावि......

तिम छिय शेछि हा सोज़ान,
कोन् छुहख च़ुय बोज़ान।
बेयि तिमन कुस परज़ुनावि॥
म्य कुस हावि......

म्य ओस चोनुय अमार,
तवय भासान, छस बेमार।
मन म्योन च़य रो'स कुस नावि॥
म्य कुस हावि......

दूर चो़लुख परम दाध,
असि छुय रोवमुत आराम।
तसल्लाह मत्यन कुस ध्यावि॥
म्य कुस हावि......

बु छस चा'न्य फकीर,
च़ेय मा ल्यूखुत म्योन तकदीर।
खबर क्याह् समय क्रेशनावि॥
म्य कुस हावि.. ...

हतो यठि बूज़ुम नाद,
मा'त्य छि करान फरियाद।
मशित गोम त च़्यतस पावि॥
म्य कुस हावि.....

सखर करिथ नेरहा'ख,
त्रण भवनन फेरहा'ख।
च़्य माह् ज़ांह् ति मन त्रावि॥
म्य कुस हावि......

मत्यन चो'लुक ह्यथ चु़ दिल,
स्यठाह गोख हा मुश्किल।
ज़रूर साल म्य, करनावि॥
म्य कुस हावि.....

छु मस्तानि सु मेहरबान,
करनाविथ गोस सूक्ष्म ज्ञान।
तवय लोल हसा' ललुनावि॥
म्य कुस हावि चा'न्न वथ।०।



वा'र्य वाति ता'र छा लगान

वा'र्य वाति, ता'र छा लगान मरनस,
थर्‌ थर्‌ छम अचान, तोर तरनस।

ज़ान आसिहेम, वुछहा कर्म लोन,
अथ मंज़ छा, कनि दय नाव चोन।
नत क्याह् करव, लेखनस तु परनस॥
थर्‌ थर्‌ छम......

पज़ि किन्य छुम, वैराग भाव,
छो'कलद दिलस, लो'गमुत ताव।
बुल्य मा लजिस, चोन संज़ करनस॥
थर्‌ थर्‌ छम......

वलु वनय, अज़ प्'ज़ दास्तान,
पूज़ायि म्यानि बनोवुख महान।
च़े'र हो गोम, म्यति तति वरनस॥
थर्‌ थर्‌ छम .....

हा मत्यो, दिल म्योन छु चोन अस्तान,
ता'थ्य मंज़ छुहम वनि धीवान।
मो'त मन लो'ग, चोन नाव सो'रनस॥
थर्‌ थर्‌ छम......

चमनस म्या'निस फुलया ल'जि,
मान अभिमानचि हांकलु ग'जि।
सावधान छस, यति मन दरनस॥
थर्‌ थर्‌ छम......

तलवारि धार हिश, छम हसा' वथ,
छस सो'रान चोन नाव, छम सो'य सथ।

खो'श गछ़वा म्यानिस म'त्य वरनस ।।
थर् थर् छम .....

पार् पार को'रनम अ'म्य यारन,
बरतल बेकस छस प्रारन।
कूत छुम प्रारुन, मन गरनस ।।
थर् थर् छम......

वुछत लोल छा खटान च़ूरि थाविथ,
वनत ध्यान छा हटान, ठहरा'विथ।
खोच़ान ब् पोशन, कां'ड कडनस ।।
थर् थर् छम.....

वनत कुस छुय च़य, कडान कल,
तव किन्य छुख करान म्य सा'त्य छल।
करत दयाह, वो'न्य म्य, माया हरनस ।।
थर् थर् छम ...

काल् घ्‌टि निश मा बचव कांह अख,
सारिनय मो'कलावनि वा'र्य छख ।।
तोति क्याज़ि, छि लगान, घर भरनस।
थर् थर् छम.....

मस्तानि ओस, सोरुय ज़ोन्मुत,
च़ानि रो'स कांह मासा' छुन मोनमुत।
थप्प कुरम'च़ छन गो'र् दामनस ।।
थर् थर् छम अच़ान तार् तरनस ।०।



इशार् को'रनम च़ूरि पा'ठ्य यारन

इशार् को'रनम, च़ूरि पा'ठ्य यारन,
तन् प्यठ् प्रारन, छस फल्लवाह्।
यन् प्यठ् लजिसय, सन्त दरबारन॥
तन् प्यठ् छ़ारन, छस फल्लवाह्।०।

वाठ लो'गमुत छुम, मनचन तारन,
शायद अ'थ्य वनान, वैराग भाव।
वो'न्य मताह् लागतम, नश्वर कारन॥
तन् प्यठ् प्रारन.....

देवान क़रनस, चा'न्य दीदारन,
ह्रदम रोज़ातम साहिबो यती।
दिल गोमुत छुम सा'त्य दिलदारस॥
तन् प्यठ् प्रारन......

बन्द छस क़रमच़, चा'न्य अमारन,
अन्द वातनावतम हा मत्यो।
रूठमत्य मत्यो वनतम कारण॥
तन् प्यठ् प्रारन......

च़ेय पत पतय छसयो लाख,
यारान ओसुम प्रोनुय मत्यो।
कसतान्य क्युथ छस, बोर यति सारन॥
तन् प्यठ् प्रारन .....

बनेसय फकीर, तु च़ायस़ गारन,
तति हो छस, वुछान शाहान।
ज़ा'जिमच़ छनस चा'न्य लोल् नारन॥
तन् प्यठ् प्रारन......

मस्तान् छो'रमख हसा' परम द्वारन,
तारस तरनस हो प्रारतम।
अथरो'ट करिथय, सु आस्यम तारन॥
तन् प्यठ् प्रारन .....

व'न्य दिच़मय, च़ेय पोशि वारन,
रंग् रंग पोशन मंज़ व'न्य आम।
ब'हा छस प्रारान नव बहारन॥
तन् प्यठ् प्रारन.. ...

नज़रा त्रावुम यतिक्यन सहारन,
यिम दूर द्रामत्य छिय असि निश।
व्यस्तार आमो, यिथक्यन सहारन॥
तन् प्यठ् प्रारन......

म्येहसा' गिंधव, यति लोल् छ्यारन,
अथ मंज़ हार जीत च़ेय तामथ।
कर क्याह लगयो, अपज़्यन छ्यारन॥
तन् प्यठ् प्रारन......

दल् कुडमच़ छनस चा'न्य संसारन,
वल योर म्यनिश बेहतो दमाह।
सोरुय छु चानि नज़रि सा'त्य पा'रन॥
तन् प्यठ् प्रारन.. ...

मस्ता'न्य छय अस्तानन लारन,
तति आ'स वुछान साहिबे नूर।
पा'र्य पा'र्य छि लगान, चान्यन प्यारन॥
तन् प्यठ् प्रारन, गयस फल्लवाह।०।

ह्य वलय, ह्य वलय

ह्य वलय, ह्य वलय,
म्य छि द्रामच् कलुय।
राधायि च्_ यित योर,
मगर कृष्ण जुव ह्यथ च्लय॥

यनय तमि सूज़ म्य शेछ,
तनय गा'डनम लयी।
मन गोम फल्लवाह्॥
वनत किथ का'न्य बलय।०।
ह्य वलय, ह्य वलय....

गो'रुन क'रनम दया,
नतु कति ज़ानु क्रयाह्।
ह्नि ह्नि समयन॥
करमुच् छस नलय।०।
ह्य वलय, ह्य वलय.....

लोलुमत्य को'र म्य सूर,
वनतु म्य, क्याह् कसूर।
च्_य छख म्योन, कनुदूर॥
तवय गा'जथस च्यलय।०।
ह्य वलय, ह्य वलय.....

मो'त यलि समख्योम,
तवय तो'त गछ्ुन प्योम।
मस म्य चाविथ गोम॥
म्य केंह् हाविथ गछ् तलय।०।
ह्य वलय, ह्य वलय......

श्महन यमिस, होव पान,
पोंपुर छा पतु, खटान।
यि कुस कजुल सूज़ाथम॥
अ'छन लजिम ज़न सलय।०।
हय वलय, हय वलय......

तवय आयस बु योर,
सु हय वुछुम, मायि लोर।
बरस थोवुम वो'थ तोर॥
वनतु मन कवा छलय।०।
हय वलय, हय वलय.....

यिनय करख च़्‌ म्य ग्राव,
सु हय पानु चलिथ आव।
म्य का'म्य ध्युतमुत छु ताव॥
दबा'विथ तलु पलय।०।
हय वलय, हय वलय......

वुछान रूज़ासय बु दूरी,
तति म्य दिचन मन्ज़ूरी।
बेयि वो'नुनम हतय हूरी॥
बनावथ च़्‌ म'च़ ललुय।०।
हय वलय, हय वलय.....

सितम गा'म यितम योर,
ह्यकय कवा, वा'तिथ तोर।
बु कडहा स्यठाह दोर॥
यिनाह बनिथ यियि प्रलय।०।
हय वलय, हय वलय......

काहन गयम काह वतय,
लोलुस गा'मुच़ छम दततय।

बुछान छस चानि वतय ॥
यिताह् जल, यिनाह् हलय ।०।
हय वलय, हय वलय .....

छि मस्ता'न्य चा'न्य यार्,
करान छय इन्तिज़ार ।
स्यठाह् रूज़ शरमसार ॥
यिनाह् वति ज़ांह् डलय ।०।
हय वलय, हय वलय ।



मा'ज पम्पोश् सा'त्य करय

मा'ज पम्पोश् सा'त्य, करय वरशोन,
ज़ेठ् आ'ठम छु, ज़ान्म दोह् चोन ।
जय जय कार, भविनय मा'ज सोन ॥

नत् कति ओस, म्य युथ तकदीर,
सन्तव छिह्म, दिच्मच् ज़ीर ।
तवय किन्य, त्युथ म्य ध्युन दर्शोन ॥
जय जय कार......

वनतय, आमच् छख कति प्यठ,
वैष्णवी छखय, किन राज्ञा जी छख ।
नतमस्तक छुय प्रणाम म्योन ॥
जय जय कार......

च्रन् कमलन तल दित म्य जाय,
टाठ्यन सोज़तम पानय आय ।
मशरावतम मत्, लोल छुयय प्रोन ॥
जय जय कार .....

को'पुत्र मा'ज आ'स्यतन आसान,
माज्य छन् को'माता, ज़ांह ति सपदान।
म्यहय यति वति आव मन्दिर चोन॥
जय जय कार......

योतान्य शुर छु, बो'छि हो'त वदान,
तो'तान्य मा'ज छसन, दो'द्ध ज़ांह दिवान।
सोरुय प्यव म्य, आश्चर्य हावुन॥
जय जय कार......

केंह ता'रिथ केंह चा'न्य छि वार्य,
अ'स्य शरण आमुत्य छि भिखारी।
पज़िहे म्यति मन तु प्राण रटोन॥
जय जय कार......

दम दम लीखिम चा'नी भजन,
युहय मा छु म्योनुय भनन।
मत्यव ति ह्योत वो'न्य लोलु ग्यवुन॥
जय जय कार.....

दरबार चोन, वुछुम शोलान,
तवय ओस मन जय भवानी बोलान।
वासुनायि डास गव, वैराग छु प्रावुन॥
जय जय कार......

तुलुमुल कोताह, ओसुम टोठ,
म्यहय प्रथ अस्तान यति प्रोट।
तवय मो'त मन, तो'तुय छु लारुन॥
जय जय कार......

शेरस खसिथ वुछुमख फेरान,
मन मन्दिरस मंज़ा साल करान।

म्यति प्यव तवय, चोन लोल ललुवुन ।।
जय जय कार ....

लोलु प्यालु भरिमय मालामाल,
बोज़ राजरा'नीं अज़ छुय साल ।
मस्तानि लेखतय नो'व कर्म लोन ।।
जय जय कार छुय मा'जय म्योन ।०।



दि म्य मुक्ति राजरा'नी

दि म्य मुक्ति राजरा'नी,
ग'छ़ म्य भक्ति, महारा'नी ।
म्य छि सथ, बस चा'नी ।।
लगयना बु राजरा'नी ।०।

च़_ यस रोज़ख डखिदार,
तमिस क्याह, बेयि बकार ।
तस क्याह करि लाभ हानी ।।
लगयना बु राजरानी ।०।

मंगुन म्य केंह छुम नु तगान,
मंगिथ छु सोरुय मेलान ।
यिहय छम मेहरबा'नी ।।
लगयना बु राजरा'नी ।०।

भक्ति भाव गछ़ि आसुन,
मन गछ़ि तति हय भासुन ।
यिहय छि चा'न्य वाणी ।।
लगयना बु राजरा'नी ।०।

लछि ब'ध्य ज़न्म हेतिम,
कर्म ला'ध्य, कत्याह् खतिम ।
मायायि व'ल्य हय प्राणी ॥
लगयना बु राजरा'नी ।०।

म्य छय माता चा'नी कल,
दोर त्राविथ यितय जल ।
थवतम म्य निगरा'नी ॥
लगयना बु राजरा'नी ।०।

कुस सनाह् च़्य ह्यु व ब्याखा,
युस हावि चा'न्य वथाह् ।
हा'रिथ गयि ज्ञानी ॥
लगयना बु राजरा'नी ।०।

नव निधान छखना च्_य,
अष्ट सिद्धि अ'न्दि अ'न्दि छय ।
म्य नय मशख दुरदा'नी ॥
लगयना बु राजरा'नी ।०।

आमच् बु छस बर् तल,
मुश्किल म्या'न्य कर हल ।
मस्तानि छय मस्ता'नी ॥
लगयना बु राजरा'नी ।०।



दमाह रोज़ श्माह ज़ाल्

दमाह रोज़, श्माह ज़ाल्, दमन करुम शुमार,
अमाह च़्य गो'यना कनन ब् छसना बेकरार।

वुछान छसय च़ूरि पाठ्य चानि वतय,
म्य छय याद प्यवान, तिम प्रानि कथय।
इन्द्रिय करिथ संहार, कमन सा'त्य गोम यार॥
अमाह च़्यमाह गो'य कनन।८।

बनिथ यति लगय, केंह्ति छुन् बनान,
सनिथ यली गछ़ि तेलि छुमाह सनान।
तमाह छुय तु जमाह अन दिलस यियि करार॥
अमाह च़्यमाह गो'य......

मसा' रोश, ज़रा तोश होश ह्सा' रोवुम,
दोहय वथित, तोति चानि वेरि मन नोवुम।
प्रारान छस अढ़फल्य, गो'लाबन अन बहार॥
अमाह च़्यमाह गो'य......

यि को'त सनय गो'म, ब् छस बेखबर,
वुनिति कोताह सनाह, करुन यति सबर।
रिवान ग्यवान न्यथ छसय, करान इन्तिज़ार॥
अमाह च़्यमाह गो'य .....

यि क'म्य बनोव संसार, कांह् छुन खो'श,
सा'री गयि हारिथ यति, त्रावान ह्सा' वो'श।
च़लिथ गछ़ान समय तान्य, यिवान नु यखबार॥
अमाह च़्यमाह गो'य......

छसय बठि प्रारान, तरुन ह्सा' अपोर,
अथस थप्प करिथय, सुमा तार्यम तोर।

दिल हा न्यूथम, को'तू गो'म, लबन दिलदार ॥
अमाह च.यमाह् गो'य .....

गुल्य गंडिथ, नमिथ सर, शरण छि आमत्य,
चानि वेरि, चानि ज़ेरि डेढ़ि तल चामत्य।
यि कथ हसा' खबर च.्य छुख सारुक सार।
अमाह च.यमाह् गो'य......

वलो अज़ च.् योर यितो, बोज़त म्या'न्य ज़ार,
गा'मत्य छि टा'ठ्य चानि दादि बेमार।
मस्तानि मोनमुत छु, च.छुख डखिदार ॥
अमाह च.यमाह् गो'य कनन, बु छसना बेकरार।०।

—●—

समिथ नमिथ अ'स्य करव

समिथ नमिथ, अ'स्य करव,
माजि पननि ज़ारपार।
अथ् रटि तु अ'स्य तरव ॥
दियि तारस म्य तार।०।

ब'हसा' गयस बेहाल,
मरन् व्रोंठ्य, मरुन ज़वाल।
मन पनुन गो'डय गुख ॥
अद् बोज़ि सा'न्य ज़ार।०।

ठहर बी खो'र ठहराव,
लगय वुछत म्योन भाव।
दया बनि तु असिति सो'ख ॥
परव मन्थर बार बार।०।

यि कुस प्रलय आमुत,
कलि युग मा छु जामुत।
पन्॒य दा'ध्य कथव ह॒रव॥
गो'मुत ज़न छु संहार।०।

मसवालन ह॒य प्ययम,
यंबरज़ल॒न छा़यि गयम।
भोंब॒र यियम सखर करिव॥
खबर दिनस छ॒सा वार।०।

वनत मा'ज मलाल॒ छुय,
म्यानि साल॒, सो' योर यियि।
मस प्याल॒ मन म्य चेयि॥
करिथ तसुन्द एतिबार।०।

वदान वदान रात गयम,
म्य गव ब्रोंत सुमा' यियम।
कत्याह थविम ब्रत त॒ नियम॥
रटिथ थो'वुम अकोय गार।०।

अज़ा छु बागवान बलान,
पोश वछिथ बाग फो'लान।
ओ'श छु दारि दारि च़लान॥
मस्तानि करिस अशिस ह॒ार।०।

समिथ नमिथ अ'स्य करव,
माजि पन॒नि ज़ार॒ पार।



मा'ज जाम् चा'न्य सो'न्सन्धी

मा'ज ! जाम् चा'न्य सो'न्सन्धी,
लागयय पोशि गन्दी।
लगय, तुल्मुलि अ'न्दि अ'न्दी ॥
लागय पोशि गन्दी ।०।

प्रज़लान छु चोन दरबार,
म्यति आव मनस करार।
चोन म्यव् छु मोधुर कन्दय ॥
लागय पोशि गन्दी ।०।

छि दज़ान अखण्ड ज़्रूत्य,
अमि मो'कला'विमत्य छि का'त्य।
कृत प्रार् मारिमन्दी ॥
लागय पोशि गन्दी ।०।

नवि वरियि नो'व लोलाह्,
म्यति दित् अख, तोलाह्।
खुलहा'न जान बन्दी ॥
लागय पोशि गन्दी ।०।

मय थव दिहुक व्यवहार,
अद ज़ोति मनची तार।
जार् पार करिथ छन्दी ॥
लागय पोशि गन्दी ।०।

लगयय रो'नि दामनस,
छो'नि सा'त्य गयस बेह्यस।
ख्यथ खिर खण्ड प्येंदी ॥
लागय पोशि गन्दी ।०।

सास भास्कर च़_ छहम,
घटि मंज़ गाश ओ'नथम ।
रछिथस तापु तन्दी ।।
लागय पोशि गन्दी ।०।

वलु वो'नय बोज़तम ज़ार,
पत छुम कालु शाहमार ।
बरजसतु पोश तुहन्दो ।।
लागय पोशि गन्दी ।०।

मस्तानि प्रछ़हा'ख ज़ांह,
गो'य मय मलालु कांह ।
सो' बन्येयि चा'न्य नन्दी ।।
लागय पोशि गन्दी ।०।



त्रपजार वुछिथ संसारकुय

त्रपजार वुछिथ संसारकुय,
लोल हो म्य आव, परम द्वारकुय

प्रारान बु शायद ता'स्य छस,
यस प्यठ म्य आ'सुय यछ़ तु पछ़ ।
तसल्लाह म्य गव, यमि कारुकुय ।।
त्रपजार वुछिथ......

अकि दोह, यलि आ'सुस जवान,
तेज़ तेज़ दौरान तय दवान ।
भय छुम बुजरुकि नारकुय ।।
त्रपजार वुछिथ......

ब्रोंठ कालि ओसुम लोल भरान,
वोन्य छुमना ज़ांह आलव करान।
छमना ज़ान अमि कार्बारचय॥
त्रपजार वुछिथ......

लूसिथ छ्‌निथ छस छ़्य्‌पय दिवान,
मन् आसत् ध्यानस मंज़ च्‌लान।
सार कर लबव अमि सारकुय॥
त्रपजार वुछिथ......

तार् वोल दियि म्य पानय तार,
अन्त समयस छुम ती बकार।
शर हो म्य छुम, तमि तारकुय॥
त्रपजार वुछुम......

यो'दवय ब् च्‌य पत द्रायिसय,
छो'क लद डेढ़ि चानि चायिसय।
शेहजार म्य दित्, सबज़ारकुय॥
त्रपजार वुछिथ......

वनतो को'रुन क्याज़ि अज़ पगाह,
ब'ल्य हसा' क्‌रथस फल्लवाह।
म्य बस तमाह पोशि वारकुय॥
त्रपजार वुछुम......

बोज़ टाठि करिथम हो सितम,
साथा यितम, या तूर्य नितम।
थर् छम अपज़ि व्यवहारचय॥
त्रपजार वुछुथ......

प्रछ़्तव वो'न्य त'मिस्‌य दयस,
अ'स्य किथ्‌क'न्य रोज़व पयस।
यिनाह गम बरख म्यानि बारकुय॥
त्रपजार वुछिथ......

मति म्यानि वति वति छ़ारथो,
मनि मंज़ हनि हनि गारथो।
मस्तानि चारु कर चारुकुय॥
त्रपजार वुछिथ संसारकुय।०।

लोल हो म्य आव दय दासकुय।

—●—

न छु च़य ताऩ्य त् न छु म्य ताऩ्य

न छु च़य ताऩ्य, न छु म्य ताऩ्य लालु।
यि छु सोरुय, तस दयस, हवालु॥

सो'ख तु दो'ख दिवान छु सुय,
यमिस यम्युक, अमार छुय।
वुछत वु छस कमि हालु॥
न छु च़य ताऩ्य......

फो'लन पोश, तु च़लन दाग,
बेहमु च़ूरि तु ह्यमय जाग।
सु मो'कलावि म्य यमि कालु॥
न छु च़य ताऩ्य .....

कुम्यताऩ्य दुब को'र दरवाज़स,
तवय बु लजिस अज़ाबस।
लगय च़_ त्राव बा वो'ऩ्य मलालु॥
न छु च़य ताऩ्य......

अज़ा गव दिल दीवानु म्योन,
शायद ओसुम यारानु प्रोन।
ज़ांहति यिखना सानि सालु॥
न छु च़य ताऩ्य......

कोताह् सो'न छु, नफचुक खज़ान्,
अथ छुन् कँह्, ज़ांह् थक गछ़ान ।
चो'क त् मोधुर, कवा च़ाल् ॥
न छु च़य तान्य,

म्य छो'रमख च़् पोशि मरगन,
पत ब् च़ायस फकीर वरगन ।
च़्य वनत् कूत संसार पाल् ॥
न छु च़य तान्य......

सितम कर्य म्य सितम गारन,
ब् क्याज़ि छस, तोति प्रारन ।
मो'कलाविहेम यमि जंजाल् ॥
न छु च़य तान्य......

यिमन को'लन छु चोनुय ज़ाल,
म्यानि मुश्किल करख ह्ल ।
सुय पत् रटहा'न च़ूरि नाल् ॥
न छु च़य तान्य .....

गम छुम म्य सु कोनय आव,
तमिस मेलनुक ओसुम चाव ।
मस्तानि भनि कति मस्तान् चाल ॥
न छु च़य तान्य त् न छु म्य तान्य लाल् ।०।

यि छु सो'रुय, तस दयस, ह्वाल ।



टोठ ज़न्म दो'ह गो'र् सुन्द

टोठ ज़न्म दो'ह, गो'र् सुन्द आव,
वाहरस म्य ओस, अमिकुय चाय।
वुछत बेयि कूत छुम लोलुक भाव॥

गो'र् देव यन, बन्यव मस्तान,
मेति छन दिचमुच आत्म ज्ञान।
मेलहा'स, मेति छुम चिक चाव॥
बेयि हय ज़न्म दो'ह अज़ा आव।०।

नवि वरियि, न'विसुय बहारस,
छसना लोल् सान, इन्तिज़ारस।
चलुराव्यम, युस छस म्य ग्राव॥
टोठ ज़न्म दो'ह......

प्रारान छसयो, आ'शुर्वादस,
ज्ञान आहम हंगत मंग नादस।
सीर् बाजि पानय परज़नाव॥
टोठ ज़न्म दोह.....

वो'न्य न सा' ब् बेयि म'च् गछय,
घरि घरि मेलनस हा तम्बलय।
तोति च'य लगय, मलाल् त्राव॥
टोठ ज़न्म दो'ह.....

सर्व कद लगयो, छुख सो'र्ग बो'नि,
नालस छय जरिथ त्यागचि चूनि।
शेछि हसा' वनी, म्योन मन् काव॥
टोठ ज़न्म दो'ह......

धनवान रोज़ान धन् सा'त्य खो'श,
त्यागुवान छिनाह् त्रावान ज़ांह् वो'श।
ध्युतमुत छुनख अवलय दान॥
टोठ ज़न्म दो'ह .....

आलव दिथ मसा' बूज़थम,
तोति चा'नी आशा म्य छम।
मस्तानि दिखना पनुन नाव॥
टोठ ज़न्म दो'ह गो'र् सुन्द आव।०।

—●—

सम भाव सा'ती स्म रोज़हा

सम भाव सा'ती स्रुम रोज़हा,
सोज़ बोज़हा, चोनुय सदाह्॥

सुलि घरि ब् वो'न्य येति नेरहा,
फेरहा नयन तय मरगन।
शत शत प्रणाम तस सोज़हा॥
सोज़ा बोज़हा......

पानस तान्य, येति छुन केंह्,
लजिमुच् यस आसि लोलु रेह।
चोनुय वतन हा छारहा॥
सोज़ा बोज़हा......

साहिबो करतम चारय,
येति नो छसय, वो'न्य वारय।
संसारक्य दित्य म्य नोज़हा॥
सोज़ बोज़हा......

मायि म्यानि सा'त्य, ति आखनाह,
म्या'निस मनस च़_ चा़खनाह।
दरवेश दरान ओस रोज़ाह॥
सोज़ बोज़हा......

आसिहेम ह्य चोन उलफत,
यिथ योर् करहा'न् गफलत।
लोल छि तोति येति लोज़ाहा॥
सोज बोज़हा......

टाठि म्यानि प्रारुन छु कोताह,
दारि दारि ओ'श वोथना स्यठाह।
मस्तानि क्र् मस्ती मौजहा॥
सोज़ा बोज़हा चोनुय सदाह।०।



दुश्वार छु छा़रुन लोल

दुश्वार छु छा़रुन, लोल चोन,
साहिबो, म्य छुय यारान् प्रोन,

चा'न्य पा'ठ्य व'न्य हसा' दिच़मय,
यछ़ पछ़ म्य चा'नी येति छमय।
कासतम, युस लो'गमुत म्य ग्रोन॥
हा साहिबो म्य छुय .....

सू'चित त सखरिथ वयाह करुन,
सो'दरा ओस, सुय छुम मथुन।
करतो च़_ विश्वास ज़ांहति सोन।
साहिबो म्य छुम......

दास छा थकान, ज़ारपार करिथ,
दय् नाव सो'रिथ, भवसर् तरिथ।
बदलावान छुम कर्म लोन॥
साहिबो म्य छुय......

असवुन त बसवुन घर् गो'छ़ुम,
मन हो म्य अवलय वश को'रुम।
यिनाह् ज़ांह् मशी, एतिबार म्योन॥
साहिबो म्य छुम .....

करतो च़् ती यि च़य खो'श करी,
म'र्य म'र्य कुसू धरि धरि मरी।
मन छासा' प्रथ विज़ि मथोन॥
साहिबो म्य छुय......

हा दय, बेयि छुमन् कें्ह बकार,
कठिने सरसुय दित म्य तार।
वो'न्य हो हेमय चोनुय गीत ग्यवोन॥
साहिबो म्य छुय......

ओब्र तल् सिर्य ओ'स द्रामुत,
नज़ारी ओस पोशिमो'त गोमुत।
वन्दस ब् कबील् तयक्रोन॥
साहिबो म्य छुय......

वो'रावय पोश वति वते,
लगयो ज़ांह् ना आहम अथे।
हरदम म्य गो'छ़ चोन, रंग लगोन॥
साहिबो म्य छुय......

पोशन छि सा'त्य कं्ड्य आसान,
कों'ड छुय नाशवान भासान।

वारय व्यचार ह्योत म्य चारोन ॥
साहिबो म्य छुय......

तसल्लाह च_य दिवान छुहम,
पज़ि वति हसा' लागान छिहम ।
मस्तानि ह्योत वीद वख्नोन ॥
साहिबो म्य छुय यारान् प्रोन ।०।



जान हो वन्दय जानान् निम

जान हो बन्दय, जानान् निम,
मस्ती हुंदुय, हा खज़ान् दिम ।

यिन् नज़रि डलिथय रोज़हा'म,
सनिसुय हा सो'दरस सोज़हा'म ।
अथ प्यठ् पनुन, डालान यिम ॥
मस्ती हुंदुय हा खज़ान् दिम ।०।

ननुवार्य सुलि घरि द्रायसय,
मयखान् चोनुय चायिसय ।
मलर्यव मलर्यव फिरान दिम ॥
मस्ती हुंदुय ....

च'थ मा खबर छम चेमत्यन,
अथ रो'ट को'रुथ तति पेमत्यन ।
साकी चय प्रारि यारान निम ॥
मस्ती हुंदुय......

पत् कस रूज़ देहची खबर,
कोताह अमि पत छुख सबर ।
देवान् गयस त् देवान निम ॥
मस्ती हुंदुय......

वल्ल सोन यिताह् बहारय,
जिगरस करिथम पारय।
मय खान्, मंज़ पयमान् दिम ॥
मस्ती हुंदुय......

यूत तेज़ वाव कत्यू आमुत,
छ़ारन्य कांसि मा द्रामुत।
यिनाह् लार कर्यम लारान यिम् ॥
मस्ती हुंदुय......

दारि प्यठ बिह्यिथ क्याह् छस सो'रान,
चानि दादि छो'र् छो'र् छस करान।
सय थविथ्य, यखसान यिम ॥
मस्ती हुंदुय......

लोल् पोश लागय फो'ति फो'ते,
सन्मो'ख आह्म ना जांह् अथे।
बस्ती दितम, मस्तान निम ॥
मस्ती हुंदुय ......

रंग महलनय साल हो करय,
यो'दवय च़् यिखना बहा मरय।
लोल ढोल ह्यु्व, वायान यिम ॥
मस्ती हुंदुय......

मस्ता'न्य छसयो बेकरार,
तस मासा' येति छु यिति वार्।
तारस ति तस तारान यिम ॥
मस्ती हुंदुय हा खज़ान् दिम ।०।
जान हो वन्दय जानान् निम।



यछि़ पछि़ च़यनिश अ'स्य आयि

यछि़ पछि़ च़य निश अ'स्य आयि,
लगयो, लगय चानि बार गायि।
खा'ल्य मासा' चानि बर् द्रायि॥

बो'ड दो'ह् बेयि कथबा वनान,
बडि लोल् सा'त्य छुय, दय ननान।
आयस ब् शो'द्ध हा वासनायि॥
लगयो लगय......

म्यति लोल् ज़ार, येति हस गिन्दुय,
राज़् छुख च़् त्रन भवनन हुन्दुय।
पाय को'रथम लगय बडि पायि॥
लगयो लगय......

लोल हो म्य चोन आमुत छुम,
तमन्नाह वो'न्य द्रामुत छुम।
रोज़ान अमर बस चोन सायि॥
लगयो लगय .....

ठान् थवत् व'थिनय बान्न,
ध्यव् ब्रच़र गछि खज़ानन।
पकिमत्य छि मत्य, चानि रायि॥
लगयो लगय......

यिथ योर, नेरुन छु ला'ज़िम,
अख मोक्ष द्वार हाविथ दिम।
यिनाह् ज़ांह् रूज़् जागतचि त्रायि॥
लगयो लगय.....

ब्रोंत हो गोम, आख मा योर,
बरसुय थो'वुम वो'थ हो तोर।
यिन लोल् तीर दोल् कांह् लायि॥
लगयो लगय......

गो'णवान्, गो'णनुय हो लगय,
अमृत सा'त्य, मन् बाग सगय।
ज़ार बोज़ातो वो'न्य म्यांनि मायि॥
लगयो लगय......

शो'द्ध बो'द्ध थव्यम सु लालुज़ार,
म्यानिस मनस फो'लि गुलज़ार।
छ्यन हो गछ्यम पत् त्राहि त्राहि॥
लगयो लगय......

कोताह् पकुन छुम पते,
लोल हो आम मायि मते।
गारस हसा' चानि यार चायि॥
लगयो लगय......

वनत् वो'न्य को'त छुख द्रामुत,
वनि मसा' कांसि छुख आमुत।
मस्नानि लाल् हसा वो'न्य छिपा'नी॥
लगयो लगय चानि बारगायि।०।



वनतो को'त गोम दिल फो'लवो'न

वनतो को'त गोम दिल फो'लवो'न,
टाठ्‌यन थो'वुथ लोल्‌ नार ललुवोन।
दिल हबा दिल हबा, रोवमुत छु दिल हबा।।
छो़रमुत म्य मरहबा, लोबमुत यति हबा।०।
अज़हबा, अज़हबा, अथि आव लोल हबा।।

यि कत्यू सब्ज़ सब्ज़ार आमुत,
छल्‌ छल्‌ कर्रान अबुशार द्रामुत।
यि क्युथू बहार सूज़थन चलुवुन।।
टाठ्‌यन थो'वुथ लोल्‌ नार......

यि कम्यू कुर्य म्य जिगरस पारय,
मिसकीन छसयो बु लाचारय।
यि कूतू सो'न वाव गव ज़लवोन।।
टाठ्‌यन थो'वुथ......

यि कम्यू वथ हा'वनम सत्ची,
वथ मीलिथ ज़ान ज़नछि रतची।
मन ओस म्य लोलस मंज़ पलवोन।।
टाठ्‌यन थो'वुथ......

गो'ड्‌ क्याज़ि होवथम युथ ह्युव करार,
पत छुख वनान, क्याह्‌ छुय बकार।
हंग तु मंग तील, सूज़ुथ हा तलवुन।।
टाठ्‌यन थो'वुथ .....

ज़ार्‌ पार करिथय वार्‌ छसनो,
वाय, म्योन बूज़िथ, ध्यव तार लगिमो।

यलि शीन प्यव, सु ओस गलवुन ॥
टाठ्यन थो'वुथ .....

वन् क्याह छ्यो, म्य शरम यिवान,
मंग्य मंग्य मा आसहम च्_ थकान।
यि क्युथू संसार छु छ़लवुन ॥
टाठ्य थो'वुथ......

अवलय मन सो'न ह्य्_व गो'रथम,
तोति ग्रावन क्युथ, क्याज़ि थो'वथम।
यि क्युथू सोज़ा छस ग्यवान कलवुन ॥
टाठ्यन थो'वुथ......

मशिथय क्याज़ि गव म्योन लालस,
लेन देन वो'न्य छु, कमसुय कालस।
यि कम्यू कर्म ल्यूखनम हलवुन ॥
टाठ्यन थो'वुथ .....

चेश्म् चानि बादाम, बेयि सर्व कद,
ज़ार बोज़खनाह छस छो'क् लद।
यि क्युथ शरीर ध्युतथम नलवो'न ॥
टाठ्यन थो'वुथ......

वाह वाह मन गोमो शाद,
म्या'न्य यलि बूज़िथ लोल् नाद।
मस्तानि छि हो'त पनुन थो'लवुन ॥
टाठ्यन थो'वुथ लोल् नार ललवुन।०।



चऽ मुचराव मोक्ष द्वारस बर

चऽ मुचराव मोक्ष द्वारस बर,
ब यिम जल जल, ब यिम जल जल।
हतो साहिबो, म्य छय चान्य कल॥

ब प्रारान छसयो यति गदाह,
चऽ बोज़तो म्योन लोल सदाह।
यिनो वो'न्य करहा'म बेयि छल॥
हतो साहिबो.....

म्य छजिमय, अशि सा'त्यन वत,
चऽ करतो ज़ांह म्य सा'त्य लोल कथ।
मशान मसा' छहम अख पल॥
हतो साहिबो......

दरें दुनिया छुनो कांह सोर,
यि म्या'न्य, विनती वा'च़या तोर।
छु नावस चा'निस बो'ड ज़ोर॥
हतो साहिबो......

अगर अनुग्रह म्य बनि चोनुय,
चऽ लो'त पा'ठ्य यिख दमाह सोनुय।
मना विश्वास कर, मव डल॥
हतो साहिबो......

म्य वो'थ रातस, ओ'श दारि दारि,
चऽ वनतो वो'न्य म्य कुस तारि।
शरण आयस ब पादन तल॥
हतो साहिबो......

छि द्रामुच़ काच़ जून फेरन्य,
सों' ल'ज सिर्यस, पत दोरन्य।
करान हसा' छुम, मुश्किल हल ॥
हतो साहिबो......

च़_ मतु वुछतु, म्यानिस हालस,
बु जरहा'य चूनि अथ नालस।
ज़िन्दय मरिथय रिंदमो डल ॥
हतो साहिबो......

म्य छ़ोर सन्तन मंज़य भगवान,
तिमय आ'सिम दिवान आत्म ज्ञान।
कडिखना अ'स्य मंज़ा दलदल ॥
हतो साहिबो......

यि कुस म्यानि पा'हरि च़ामुत छुय,
यि कुस लोलु हो'त आमुत छुय।
म्य कुन वुछिथय, यिनो दिख पलु ॥
हतो साहिबो......

छु मस्तानि तस पान पुश्रोवमुत,
तमिस कुस तान्य छु याद प्योमुत।
फो'लुस मनि मंज़, मनु कमल ॥
हतो साहिबो म्य छय चान्य कल ।०।



शों'गन बेह्न चानि नाव्

शों'गन बेह्न, चानि नावु, रंगन छस, पनुन मन,
च़लन, चान्यन, को'लन, छलन छस, पनुन मन।

वां'स गयम कांसि मसा', बूज़ कथ म्या'न्य,
तोति थ़्वथम, च़े'य हा, सथ चा'न्य।
पोश फो'लन, दा'ध्य च़लन, दलन छस पनुन मन॥
शों'गन बेह्न, चानि नावु।०।

रातस छसय, वतु वुछान, को'नु आहम,
म्य दो'प, चॣमा कांसि सा'त्य द्राहम।
चानि रायि, प्रानि मायि वलन छस, पनुन मन॥
शों'गन बेह्न,......

छ़निथ जामु हा च़्य ज़रका'री,
म्य गव ओ'श, स्यटाह् जारी।
होल गोमो, लोल आमो, तलनु छस पनुन मन॥
शों'गन बेह्न......

यि कर आव, योर नो'व बहार,
म्य क्याज़ि न्यूमुत छुनम करार।
शर सु कासन, रज़ छु वाटन,
रलन छस पनुन मन॥
शों'गन बेह्न......

बु चायस, हा लोलु बागस,
प्रॖछॖयोम तति हा तमिस आगस।
यछ़ि पछ़ि, सो'रिथ नाव, वलन छस पनुन मन॥
शों'गन बेह्न......

हतो पीर् ! मा' करुम गीर,
वनत म्य क्याह् छुम तकसीर।
थकिथ लूसिथ, पेयस हसा' लबन छस पनुन मन ।।
शों'गन बेहन......

दिल छु स्यठाह बेकरार,
यार् म्यानि बोज़ वार्।
दमाह रोज़ सोज़ बोज़, नमन छस पनुन मन ।।
शों'गन बेहन......

म्या'निस दा'दिस, दग छि मीठ,
च.य रो'स यिमाह, कांसि डोठ।
वतन छस वत मंगन रंगन छस पनुन मन ।।
शों'गन बेहन......

म्य छि सफर गा'मत्य स्यठाह,
च़_ यित् यूर्य चल्यम वठाह।
मस्ता'न्य छय मय चवन, दवन दोरन पनुन मन ।।
शों'गन बेहन चानि नाव् रंगन छस पनुन मन।०।



माता छखय दीन दयाल

माता छखय दीन दयाल,
यित प्रछ़त्, असि क्याह छु हाल।
सोन थो'वुथ च'य हय खयाल ।।

करतय असुरन च़_ नाश,
च़टतमी विकराल पाश।
ज़ान छु लारान पत् काल ।।
मा'जय छखय दीन दयाल।०।

बुछथ़्य वो'थ़्मुत छु तूफान,
कम्य वाहरोव युथ वान।
आकाश प्यठ छु तल पाताल॥
मा'जय छखय......

किथ़् पा'ठ्य, करनय हय साल,
टा'ठ्य गा'मत्य छि बेहाल।
तवय दिवान छियना नाल़्॥
मा'जय छखय......

चण्डी रूप च़_ धारतय,
अथ रो'ट करिथ म्य खारतय।
यूतुय छुय म्योन सवाल़्॥
मा'जय छखय......

को'पुत्र हेकि बनिथय,
को'माता छनय ज़ांह बनिथय।
च़ो'टथम मो'हुक, हय जाल॥
मा'जय छखय......

डेढ़ि तल चानि बेहमहा,
प्रदिक्षणस न्यथ यिमहा।
तमनाह म्योन च़_य पाल॥
मा'जय छखय......

करसनाह यियि नो'व बहार,
छो'क लदन बनिहे करार।
बोज़ातय मतय दित डाल॥
मा'जय छखय......

ज़खमन करतम मरहम,
यचकालुच द'ग छम।

बा'ल्य गोम ना'ल्य जंजाल ॥
मा'जय छखय......

म्यानि शेछि च़य वाचय़नाह,
आलव कनन गो'यनाह ।
मस्ता'न्य गयि मालामाल ॥
मा'जय छखय दीन दयाल ।८।



मार् मति यार् म्यानि

मार्मति यार् म्यानि, म्यहसा' रा'व रुमाल,
चार् युस करि, सुय हा लबि, म्या'न्य रुमाल ।
येम्य नियि रुमाल, ता'म्य को'र कमाल ॥
म्यहसा' रा'व रुमाल, म्यहसा' राव रुमाल ।०।

टा'ठ्यव प्रुछ़होम, क्याह सनाह गव,
अमि रुमालि खा'तर्, छा यीच् दव् दव ।
फुट्मुत दिल वनान म करिव वबाल ॥
म्य हसा' रा'व......

पाम् छिम दिवान, यि रुमाल क्याह छि यीछ़,
लगयो वन ब् कस, टा'ठ छम का'च़ ।
दिल रूद खटिथ त् अ'थ्य वो'नुख श्रुमाल ॥
म्य हसा' रा'व......

यावुन सूरिथ, यार मा योर आव,
सोरुय छु आसान, अवलय चाव ।
तेलि मा वुछमुत ओस कांह सवाल ॥
म्य हसा' रा'व......

अमि रुमालि, चानि न्यूनम दिल,
व'ध्य व'ध्य दिल लबुन छु मुश्किल।
दी नय रुमाल सु यीमा ज़वाल॥
म्य हसा' रा'व......

अथ रुमालि छि कडिथ अ'नध्य अ'नध्य पोश,
तमि रावरोवमुत छु मत्यन होश।
रा'विथ ब् हाव्क्याह, तस गव मलाल्॥
म्य हसा' रा'व......

सुलि घरि मस वलि चस गोम,
तमि रुमालि सा'त्य हा मय चोम।
हंग त् मंग का'म्य ओ'नुम तवाल॥
म्य हसा' रो'व......

तारकन मंज ज़ून चमकान,
तिथय का'न्य छम रुमाल प्रज़लान।
बेहयस करनस यलि आम खयाल॥
म्य हसा' रा'व......

यि रुमाल आ'सम यार् सुन्द निशान्,
यन् रा'वम तन् गयस देवान्।
मस्ता'न्य क्रथन हा बेहाल॥
म्य हसा' रा'व रुमाल।०।

सोंथ द्राव त् हरुद चा़व

सोंत द्राव त् हरुद चा़व,
पन बरगन ल'ज्य तुलत्राव ।
यि छि रातुच कथ ।।

ओस लो'कचार, मारान छा़लु,
रूद कस होश, जवानी मंज़ लालु ।
बुजरस छि वो'न्य, बस ग्राव् ग्राव ।।
यि छि रातुच कथ ।०।

दूर मतु गछ़्_यतव, तोति याद कर्यतव,
सारिन्य ति लोलाह भरितव ।
ज़िन्दगी हुन्द छुनाह चिकुचाव ।।
यि छि रातुच कथ ।०।

यो'दवय तो'हि छुव केंह प्रोवमुत,
केंछा़ह दयु नाव मन सो'रनोवमुत ।
तेलि गछ़ि ज़ानुन साहिब आव ।।
यि छि रातुच कथ ।०।

असि क्याह, कांह हेछिनावोन,
गो'ड् पान, पनुन वनि थावोन ।
अद् वनोस अ'स्यति केंह च़्यतसपाव ।।
यि छि रातुच कथ ।०।

मनुष्य त्राविहेन् जांहति देह,
यिनय कडिहेस सु तोरय क्रेह ।
यथ शरीरस सा'त्य छु कूत लगाव ।।
यि छि रातुच कथ ।०।

गव समया, कुड वां'सा,
मतु बनत, कथाह् कर्यतन कांह् ।
को'सु आशा कसुन्द छुम चाव ॥
यि छि रातुच कथ ।०।

आदुनय अगर अ'स्य हेमव दूर,
अदु दय करि तति मन्ज़ूर ।
बोज़ख च़_ सु टोठ दय आव ॥
यि छि रातुच कथ ।०।

यि मकानु गव, प्रोन,
अथ मंज़, पज़िनु रोज़ुन चोन,
वसिथ ह्य पेयि तु बोज़्यस न कांह् क्राव ।
यि छि रातुच कथ ।०।

सुब दम ति तो'ह्य दय सो'र्यतोन,
कुनि विज़ि ति याद ह्सा' कर्यतोन ।
लोलु दग टा'ठ छि रछ़ाह् ललुनाव ॥
यि छि रातुच कथ ।०।

बति वन्दहा'य च़_य कबीलु क्रोन,
कासतम हो काच़् ज़ूनि ग्रोन ।
रोज़िहे मेति चोनुय भाव ॥
यि छि रातुच कथ ।०।

असि सारिनुय दय दियितार,
सोनति बोज़िना ज़ारु पार ।
मस्तानि लो'गमुत छु लोलु ताव ॥
सोंत द्राव तु हरुद च़ाव ।०।



च़रि पो'प करुन त् न करुन

च़रि पो'प करुन त़ न करुन,
यि छु सोरुय दयस तान्य।
तस लोल भरुन त़ न भरुन॥
यि छु सोरुय दयस तान्य।०।

अ'स्य समिथ छि सा'री,
मंगान दयस छि यारी।
असि अनुग्रह् करुन त़ न करुन॥
यि छु सोरुय दयस तान्य।०।

युस यि करन्य सूज़ुन,
सु छु ती यति करान।
पज़िस प्यठ अमल, करुन त़ न करुन॥
यि छु सोरुय दयस तान्य।०।

ज़िन्दगी छि सो'ख़ दो'खुक आलम,
बनिथय यति यिवान।
अथ मंज़ा अऱसर करन्य त़ न करन्य॥
यि छु सोरुय दयस तान्य।०।

टाठ्यन त्रावनुक सामान करनुय,
प्यव असि बो'न्य यति।
अथ प्यठ मन दरुन त़ न दरुन॥
यि छु सोरुय दयस तान्य।०।

ब्याख कांह्, क्याह् वनि या ज़ानि,
म्यानि लेखनुक त़ परनुक सार।
म्योन लेखुन त़ परनु॥
यि छु सोरुय दयस तान्य।०।

यिम भाव़् पोश लोल़् मालि वुरिम,
वुरान वुरान, छो'ऱ् छो'ऱ् करिम ।
तति मन्ज़ूर करुन त़् न करुन ॥
यि छु सोरुय दयस तान्य ।०।

लूक़् कथन मत़् गा'छितव ज़ांह्,
तिम छि पो'ज़ अपुज़ वनिथ़ुय गछ़ान ।
वो'न्य बिहिव यति छो'प करित त़् न करित ॥
यि छु सोरुय दयस तान्य ।०।

वां'स क'ड त़् मगर पनुन घऱ् गछ़व,
यिम छि ऱ्त्य कर्म सा'न्य ।
यति कुस छु सऱ् करुन त़् न करुन ॥
यि छु सोरुय दयस तान्य ।०।

लूक छि म्य बेकुल नज़रि वुछान,
म्या'निस भावस हेडान त़् ग्येलान ।
मन म्योन गरुन त़् न गरुन ॥
यि छु सोरुय दयस तान्य ।०।

संसाऱ्च कथ करिथ,
अथि मासा' आव केंह् ।
यिम त्राविथ दय नाव सो'रुन त़् न सो'रुन ॥
यि छु सोरुय दयस तान्य ।०।

म्य गा'मत्य सुली छी तसल्ला,
म्य क्याह् कांह् दियम इसलाह् ।
असलुक इसल्लाह मस्तानि बन्यम त़् न बन्यम ।
यि छु सोरुय दयस तान्य ।०।



यि छु सोर्‌य बहानय

यि छु सोर्‌य बहानय,
हा पान्, को'नाह छुख, ज़ानान्‌य ।०।

वुछ ज़गतस मंज़ सु व्यापक,
तस रो'स यति मा छु, काँहति अख ।
तस सा'त्य थविज़ि रुच् ज़ान्‌य ॥
हा पान् कोनाह छुख ।०।

गो'डन्युक भास छुन, पतिम भास,
अमि पत् छि भास, सास् ब'ध्य सास ।
तमिच आस त् च्‌_य ज़िखिर लागान ॥
हा पान् कोनाह छुख ज़ानान्‌य ।०।

शाहचि खस् वसि, थविज़ि ह्यस,
लो'त लो'त खस त् लो'तुय वस ।
गो'र करनावी पान् पहचान्‌य ॥
हा पान् कोनाह, छुख ।०।

वुछ वो'न्य कूत मूर्ख बन्योख,
दय् कारस यूत सन्योख ।
सु छुय च्‌य मंज़ आसान्‌य ॥

डेकस मंज़ गंड बा मुदय,
वति वुछख सिर्य ज़न गव उदय ।
त'थ्य मुदय रोज़, गण्डान्‌य ॥
हा पान् कोनाह छुख ज़ानन्‌य ।०।

बोज़ कथ ह्यस् सान रोज़,
तस प्रणाम, सासब'ध्य सोज़ ।

सु छु क्षण् क्षण् नज़र थवान्य ॥
हा पान् कोनाह् छुख ज़ानान्य ।०।

अलग रूज़िथ व्यवहा'री बन,
कां'सि हंदिस खुरिस म सन ।
तमि सा'त्य छुय दूश खसानय ॥
हा पान् कोनाह् छुख ज़ानान्य ।०।

मन थविज़्यन् कामि रो'स जांह्,
पत् रोज़्यस न रिवुनाह् तु वदुनाह् ।
एकांतच वथ छि सूदम आसानय ॥

अनुभव करिथ बनान अनुभवी,
मस्तानि तोरुच दयाह् छव ।
सु छु सा'त्य तस आसान्य ॥



वनतम दयो म्य क्याह्

वनतम दयो, म्य क्याह् तकसीर,
नाहकय दिच़थम ओरय ज़ीर ।

सुलि यलि पन्ने, घरि द्रायस,
चा'निस गारस मंज़ चायस ।
मायायि चाने क'रनस बु गीर ॥
नाहकय दिच़थम......

वनि यलि आहम, मस्तानय,
रो'टमुत छुमय चोन दामानय ।
पत् क्याज़ि दिति थम दा'रिथ तीर ॥
नाहकय दिच़थम......

चश्म् छय बादाम, बेयि या'र्यतन,
सर्वकद थो'द तु बेयि सोन्सुन्द मन।
बेयि हा रुत भास्योम चोन तदबीर॥
नाहकय दिच़थम.....

लगहा'य चाने मो'कतु खावे,
युस सु वुछि ज्ञानु गंगायि नावे।
बहसा' भावान च़ य छस सीर॥
नाहकय दिच़थम.....

दानी तु बलवीर योर यलि आयि,
अथु हावान खाली हसा' द्रायि।
म्य अछन ब्रोंठकनि छुम तसवीर॥
नाहकय दिच़थम.....

फो'लिम'त्य पोश छि वसिथ प्यवान,
अड्फल्यन छि थर् थर् अच़ान।
क्याह ज़ानु क'म्य ल्यूखुम तकदीर॥
नाहकय दिच़थम.....

प्रा'न्य कथ यलि छम याद प्यवान,
नवि कथु क्याज़ि छुख मशरावान।
अथुरो'ट करतम, छुखना पीर।०।

निर्मल तु निराकार चोन रूप ओस,
तवय किन्य म्य सा'त्य सा'त्य भोस।
मस्तानि च़टिथ छ़न्य यतिच जंजोर॥
नाहकय दिच़थम ओरय ज़ीर।०।



मद होश मन गछ़ि

मद होश मन गछ़ि, मद वालुनये।
अद् गछ़ि टोठ लाल् छ़ारुनये॥

हेरि बोन् ह्योतमख, म्यहा गारुनये,
अज्ञातान्य कुनिनो, वनि आहम।
कोहताह काल छुम, बुनिति प्रारुनये॥
अद् गछ़ि टोठ लाल् छ़ारुनये।०।

अन्दरी अन्दरी छुम सारुनये,
अद् पत् कुनि दोह पय लबनो।
लोलुक नार कोहताह छु चालुनये॥
अद् गछ़ि टोठ लाल् छ़ारुनये।०।

चा'निस बरसतल खा'ल्य गछ़िन् युनये,
मनुक अरमान नेरि ज़रूर।
अकि दोह छ़्यन गछ़ि युन त् गछ़ुनये॥
अद् गछ़ि टोठ लाल् छ़ारुनये।०।

म्या'न्य लोल् नाद च्य छि बोज़ानिये,
तोरय कांह गछ़ि सोज़ुनये।
म्यानि घरि हर विज़ि छुय रोज़ुनये॥
अद् गछ़ि टोठ लाल् छ़ारुनये।०।

ता'मिसन्दि रंग गा'ध्य मन रंगुनये,
अद् गछ़ि डो'ख दिथ शोंगुनये।
याद गछ़ि प्यो'न ज़्यो'न त् मुरुनये॥
अद् गछ़ि टोठ.....

मस्ती मंज़ गछ़ि मस प्याल् चो'नये,
अद् गछ़ि संसार मशरावुनये।

ज़न गव ताज़ ज़ख्मन नून ध्युनये ।।
अद् गछि टोठ......

अथ् पन्नि पोश् वारि ध्युतुम वो'नये,
रंग् रंग् वुछमस गो'लाब फो'लिथ्य ।
युह्य गव मस्तानि दुय त्रावुनये ।।
अद् गछि टोठ दय छारुनये ।०।



यितमो साहिबो त् तार

यितमो साहिबो त् तार दितमो,
व्यवहारस मंज़ व्यचार दितमो ।

दोह आयि लूसिथ छु गछ्.ुन दूर,
सुलि घरि पज़िहेना म्य मलुन सूर ।
हाविथ सतकुय, सार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार......

अ'श्क च्.ूर छुम गोमुत फ'रिथ्य,
अथ कारस क्याह ह्यक वनिथ्य ।
अनिथ्य कुनि काँह वार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार......

अनज़ान लोलुच वुछम रफतार,
पन् पन् गयसहो छस बेज़ार ।
फो'लना'विथ यति बहार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचारस......

लगयो चा'निस, पज़िस वानस,
सायि थाविथ हसा' सायिबानस ।

प्रेयमुच वसिहे हा धार साहिबो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार......

रोश मसा' पोशव, असना'वहा'स,
चोन नाव घरि घरि परना'वहा'स ।
छारान छस चोन द्वार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार......

गो'ड् यि कथाह, वनिहे म्य कांह,
सन्यास प्राविथ सु मेल्याह सनाह ।
जमाह अनिथ रुत कार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार ...

छायि सा'त्य मायि करिथ नेरि क्याह,
बा'ल्य हसा' जीवस छि यतिक तमाह ।
छ_यत् करिथ यत्युक नार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार ...

करयो लो'लुमत लाय लालो,
आ'स टाठ्यन चा'नी त्रायि लालो ।
लोलुस कांह रफतार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार .....

दावसान भावस छुम महिमा,
चानि खो'तु बजराह, छु कस सनाह ।
वाय यिनाह नेर्यम, तार दितमो ।।

मस्ता'न्य आ'सुय प्रछान च्य,
कारस अन्तसा' अन्जाम मेय ।
सूक्ष्म वथ हाविथ, यार दितमो ।।
व्यवहारस मंज़ व्यचार दितमो ।०।



वनय क्याह म्यानि गो'रय

वनय क्याह, म्यानि गो'रय,
च़_ लो'बमख म्य भवसरय।
तनय चा़यि म्य थऱ् थरय॥

बु वा'च़स गो'ऱ् द्वारस,
खबर हेनि शाह सवारस।
गछ़य यिनाह यति बु बरया॥
म्य छो़रमख च़_ भवसरय।०।

म्य ध्युत गो'ड़् यति फालव,
म्य को'र अद़् तस आलव।
सु चल़्रावि म्य अऱ्सऱ्॥
म्य छो़रमख च़_......

च़_ यलि छ़ुख घऱ् म्योन अचा़न,
म्य नो छ़ुय मन ति व्यचा़न।
म्य याद प्यव असल घरय॥
म्य छो़रमख च़_.....

सरन सा'त्य छि सरदारी,
मत्यव प्रा'व चा'न्य यारी।
कडखना म्य यमि शरय॥
म्य छो़रमख च़_......

वुछू फा'ल्य म्यानि वारि पोश,
दमाह रूज़िथ वुछ च़_ बोश।
चो़'पा'र्य छ़ुख च़_ च़राच़ऱ्य॥
म्य छो़रमख च़_......

वुछिथ लय, गयस चोन स्वरूप,
म्य प्राणुक ज़ोलुम दीप।
च़ यित् च़ेय सा'त्य ब् तरय॥
वनय क्याह म्यानि गो'रय।०।

च़ेय सो'ख खोरुथ कह्वचन,
अमि घ्रट् कांह् छा बचन।
लगय क्रथस सरय॥
म्य छ़ोरमख च़_....

यि कुस नज़ारा गोम दिथ,
सु यिथ मा गोम नीरिथ।
मशम मा ज़ांह् ति ह्रय॥
म्य छ़ोरमख च़_......

ह्तो वाद् म्योन कर पूर,
बनो रूज़िथ ह्रेकान दूर।
ब् चोनुय नाव हो सो'रय॥
म्य छ़ोरमख च़_......

वलो म्यानि नावि नम रठ,
दिलस गोमुत छुम वठ।
यिनाह् मस्तानि प्येयि परय॥
म्य छ़ोरमख च़_ भवसरय।०।



म्य अवस्था शाम्भवी

म्य अवस्था शाम्भवी,
दिन्य ग'छ़ म्य भगवती।
ब़ रोज़ाहा'स, पत यती॥
म्य ग'छ़ दिन्य भगवती।०।

च़_ छख अश्टा - दशभुज़ी,
रछान ज़गतस हर विज़ी।
छिय छ़ारान यति म'त्य॥
म्य ग'छ़ दिन्य भगवती।०।

ब़ छस प्येमच़ वति प्यठ,
च़ल्यम कर लोलुक वठ।
योतान्य गयम केश छ़त्ती॥
म्य ग'छ़ दिन्य भगवती।०।

कलन म्यान्यन लोल़ ज़ल,
मन गोमय निर्मल।
ब़ लागहा'य कारिप'त्य॥
अवस्था शाम्भवी......

ब़ छस गदाह़ आमच़,
सदाह़ दिनि डेढि चानि चा़म़च़।
ब़ तुलमुलि प्रारय तति॥
अवस्था शाम्भवी......

श्माह़ दो'द दमाह़ बेहत च़_य,
मनस म्यानिस च़लि दयि।
जिगर वन्दहा'य च़य लो'त्ती॥
अवस्था शाम्भवी......

म्य क'र सखर पूज़ायि हंज़,
म्य ग्रज़ारावि दासन हंध्य ग्रज़े।
छि आमत्य अ'स्य लवहत्ती॥
अवस्था शाम्भवी......

चमन फो'ल्य वारि म्याने,
च़य रो'छ़ कुस म्य ज़ाने।
दि आलव म्य लो'ति लो'ति॥
अवस्था शाम्भवी......

क्रिया करत, तिछ़ जीवो,
बनान आसहा'ख च़_ दीवो।
थचिस लोल़ पन, क'त्य कत्ती॥
अवस्था शाम्भवी......

चन्दन हार छखना च़_ म्योन,
बन्धन कास एहसान छु चोन।
म्य म्येलिहेम परम गत्ती॥
अवस्था शाम्भवी.....

हतय! लोल़ नज़ारा म्य त्राव,
गन्योमुत छुम लोल़ भाव।
मस्तानि बनाव च़_ मती॥
दिन्य ग'छ़ म्य भगवती।०।



रुत डेंशिहा रुत कांछिहा

रुत डेंशिहा, रुत कांछिहा,
रतिसुय प्यठ, करहा मनन।
यि छु म्योन भजन! यि छु म्योन भजन॥

कां'सि हुन्द दो'ख छसन् चालान,
नाहकुय पान छस ब् गालान।
पजि वति रोज़हा, बुति पक्कन॥
यि छु म्योन भजन......

रस् रस् मल, प्याल् चमहा,
चा'निसय स्वरूपस नमःहा।
ध्यव् कुनि बनिहे, म्यति दर्शन॥
यि छु म्योन भजन......

केंहतिनो, असितामत छुय,
यी वों'नुथ ती को'रमय म्य।
पूर्यर दिज़्यम यिमन शरनन॥
यि छु म्योन भजन......

संसार वुछुम, क्रूठ बाज़ार,
छांडांन छसय, चोन बाज़ार।
त्यलि आसिहे म्य द्वय भाव चलन॥
यि छु म्योन भजन.....

सारिनुय ब् वथरावान पान्,
छुख म्य तिमनुय मंज च् भासान।
क्याह छुम न्युन, क्याह त्रावुन॥
यि छु म्योन भजन......

चोन नाव ह्यथ भवसर् तरय,
च़लिहेम म्यति यति मर् मरय।
छस ब् चान्यन कथन्य सनन॥
यि छु म्योन भजन .....

च़ूरि हो थवथ हावथ न् कांसे,
प्यतरुन म्य प्ययितन दोद वांसे।
चा'नी करान रोज़् ब् अर्चन॥
यि छु म्योन भजन .....

करना'वथस लोल् नावि सा'र,
हुकमस चानि ल'ज न् ता'र।
लोल हो ब्, वथरावय वतन॥
यि छु म्योन भजन......

रंग रूप त् संग छुम चोनुय,
स्वीकार करखना लोल म्योनुय।
तमि पत् गछ़यम भक्ति भाव ननन॥
यि छु म्योन भजन......

यच़्_काल गयम प्रार्य प्रार्य,
र्‌त्य कृत्य च़्य तारिथ सा'री।
सूर्य सूर्य छुहम च़्_य गनन॥
यि छु म्योन भजन .....

मस्ता'न्य क्याज़ि पावथन पथ्थर,
यति योर, वो'न्य मत, बांबर।
रोज़ान्य ग्_छ़स चा'नी स्मरण॥
यि छु म्योन भजन, यि छु म्योन भजन।०।

—●—

अकि दोह् लूकव

अकि दोह् लूकव, को'र म्य सवाल,
वनतय, अथि किथ क'न्य ओय लाल।

दो'पमख गो'र गोम, सीर भाविथ,
यथ जग् मंज़, प'ज़ वथ हाविथ।
ज़ोनुन गोमुत क्याह् ओस हाल॥
अकि दोह् लूकव को'र।०।

परमुच् तु लीछमुच् ज़्याद् छसना।
यथ वांसि मंज़, स्यज़ साध् छसना।
तव किन्य, आमुत छु टाठिस खयाल॥
अकि दोह् लूकव......

मा'ज सरस्वती आ'सम मेह्रबान,
ता'म्य का'सनम, मूर्खतायि हंज़ हान।
तमी करताम्य, च् रि को'रनम साल॥
अकि दोह् लूकव......

क्रख गयि यति शाह्रस तु गामस,
म'त्य हसा' वा'त्यमत्य छि परम धामस।
तनु प्यठय गा'मच् छस बेहाल॥
अकि दोह् लूकव......

वुछत नाफ़् ओसुस अन्दरी खटिथ,
रूस्य क'ट छि फेरान कोह् बाल च्टिथ।
ब'ल्य भासान तस मन बेताल॥
अकि दोह् लूकव......

मंज़ रातस सेतार् गोम कनुन,
नच़ान तु ग्यवान कुस्ताम्य वनन।

वो'थ वुछ तमिसंज़, मस्तान् चाल ॥
अकि दोह लूकव.....

श्माह गोमुत म्य ओस पान हाविथ,
पोंपरन थवनस परज़ुना'विथ।
यिनाह ज़ाँह् वनहा'म लोल् दग चाल ॥
अकि दोह लूकव......

केंह् छाह दो'ख दा'ध्य छिय च़टिम'त्य,
यथ थरि केंह् पोश, छिम फो'लिमत्य।
रोज़ाहय त'स्य सा'त्य बहा ना'ल्य नाल् ॥
अकि दोह लूकव......

बुल बुल ओस, बोल बोश करान,
यारस खबरा, वातनावान।
जल कर पत् पत्, फेरान काल ॥
अकि दोह लूकव......

हर दोह, नोव लोलाह् हावतम,
फुठमुत दिल छुम, परज़नावतम।
तेलि मस्ता'न्य गछ़ि मालामाल ॥
अकि दोह लूकव को'र म्य सवाल ।०।



मस्तान् मस चथ

मस्तान् मस चथ, मस गयस,
तमि पत ह्सा, पायस पेयस।

अज़ा रात वुछुम अख शुन्याह,
शुन्यस मंज़ा सु परमात्मा।
अद् पत् गा'मुच् छस लयस॥
मसतान् मस चथ......

संसारस छु कूत त्रपजार,
चानि लोलुक वुछुम शेह्जार।
ब'ल्य हो ब् संगसार यति गयस॥
मस्तान् मस चथ......

रंग नाविथ हा, मन म्योनुय,
पोशन मंज़ ति, रंग छु चोनुय।
सतसंगकुय रंग, मों'ग म्य दयस॥
मस्तान् मस चथ......

प्रान् रज़ि करिथ ह्सा' मालय,
तमि सा'त्य, मन म्य, गों'ड लालय।
करहा वलास, साहिबे रो'यस॥
मस्तान् मस चथ......

घरि नीरिथ, वो'न्य क्याह् म्य करुन,
करनावि पानय, छुम हा तरुन।
जिन्द् आ'सिथ, कोनो मो'यस॥
मस्तान् मस चथ......

यन् लोल, रो'टमुत छुम मच्,
तन् लालय, लो'लनोवुम को'छे।

प्रारान छस ब् चानिस सायस ॥
मस्तान् मस चथ......

कर् क्याह्, वुनिति घर्बारसय,
छो'रमख हा मंज़ व्यवहारसय।
वुछतो च़_ ज़ांह्, भक्ति तस्य ॥
मस्तान् मस चथ......

यिम चा'न्य टा'ठ्य, तिम म्या'न्य छिय,
दो'गन्यान कति छु, छम चा'न्य द्रिय।
कर क्याह् तोति, प्रानिस खो'यस,
मस्तान् मस चथ .....

लछिनावि वछि वछि, छस दिवान,
कोनाह् तूर्य, टाठ्यन छुख निवान।
यी सो'रिथ्य हा क्षूभस गयस ॥
मस्तान् मस चथ......

यावनस द्रायि, दोह् तारय,
तावनस लजिस ब् क्याज़ि यारय।
कर् क्याह्, वो'न्य यति, काल् भयस ॥
मस्तान् मस चथ .....

थचमुच् छसय आमुच् शरण,
मस्ता'न्य छय लोल् प्याल् भरन।
ताज गंडने वातहा' दयस ॥
मस्तान् मस चथ मस गयस ।०।



म्यहा दय याद प्यव

म्यहा दय याद प्यव, सुबहन सुबहन,
पूज़ाह क़ुरमस म्य, सुबहन सुबहन।
नालमति रोटुमना, सु सुबहन सुबहन॥

गो'रु रूप, दय वुछुम,
तमिसुय हय लोल भो'रुम।
असुना त्रोवनम, सुबहन सुबहन॥

यथय लोलु मन्दरस,
तस हय श्याम सो'न्दरस,
वा'न्य छसयो दिवान, सुबहन सुबहन।

साहिबो, लोलु तु माये,
आयिसय बु श्रद्धाये।
चायिसय च़ेय निश, सुबहन सुबहन,

लोलु माल फिरमय,
वा'न्य च़ेय म्य दिच़मय।
नो'न हसा' द्राहा'म, सुबहन सुबहन॥

सत्य युग छु नेरान,
घरु घरु छु फेरान।
कति त्रावु आसन, सुबहन सुबहन॥

यच़_ कालु प्यठु बु प्रारान,
च़ेय पत हा लारान।
लबहा'थ कुनि विज़ि, सुबहन सुबहन॥

यारफता'री यि दुनियादा'री,
लगयो म्य थवतम सदाह बरकरारी।
असि दो'न छि गा'मच़, सुबहन सुबहन॥

मन छु म्योन छो'कुलद,
यिनाह करहा'न दकज़द ।
पकिथय थचिसय, बु सुबहन सुबहन ॥

च़ेय सा'त्य गिन्दहा रास,
दो'नवय करव, अथवास ।
मस्ती रोज़िना म्य, सुबहन सुबहन ॥

रो'नि दामनस लगयो चा'निस,
छो'न्य छुय गोमुत मनस म्या'निस ।
मस्ता'न्य गयि धन्य धन्य, सुबहन सुबहन ॥
म्यहय दय डूंठमुत छु सुबहन सुबहन ।०।



बु नम्येसय दमु दमय

बु नम्येसय दमु दमय,
च़य मा याद प्यमय जांह ।
बु ज़ान रुटनस अमी गमय ॥
च़य मा याद प्यमय जाँह ।०।

शमाह ज़लिथ, हसा' बु शमय,
पोंपुर बनिथ ति यिमय जांह ।
बेशक गछ़ितन म्य, जमु जमय ॥
च़य मा याद......

चानि वानय, मय बु चमय,
च'थ पतु बिहिथ करव हिसाब ।
युथ ह्यूव मा यियि, बेयि जांह समय ॥
च़य मा याद......

तम्बला'वनस संसारुक्य भ्रमय,
करिथ हसा' गोम संहार।
तोति सथाह चा'न्य छमय॥
च़्य मा याद......

मन गछि़ थवुन हर विज़ि क्रमय,
अद् गछि़ बेयन वनुन ज्ञान।
दिह गछि़ वालुन अभिमान खमय॥
च़्य मा याद......

वेरि नेरि मन, ज़ेरि जमय,
सोरुय संभालुन च़्य प्योय।
त्याग् सूर रमित रोज़ि रमय॥
च़्य मा याद......

वनत गोस् गई च़्य कमय,
तोस् वथरिथ थविमय।
तोति लों'चि चाने लमय॥
च़्य मा याद......

छुमा त्रावान यति, कां'सि यमुय,
बेशक आ'स्यतन सन्त या फकीर।
यी सो'रान सोंचान ब् ह्यमय॥
च़्य मा याद......

ज़ीर लजिम, ज़ीर् बमय,
चीर् रो'ठमय चोन दामन।
गीर कुरनस अमी थमय॥
च़्य मा याद......

लोल् नारन को'रनम दमय,
तनय प्यठ् गयस फलवाह।

ललॆ हिश लोलु नावि लमय ॥
चॖय मा याद .....

वाश कडिज़्यम, आश छमय,
नित्य वा'तिथ ॾेढि तल ।
मस्तानि रोज़ी चा'नी हा अमय ॥
चॖय मा याद प्यमय ज़ांह ।०।



सीन् मुचॖरिथ हावहा'य चॆय

सीनु मुचॖरिथ हावहा'य चॆय,
कीनु त्रावतम साहिबो ।
दीन दुनिया म्योन छुख चॖ_य ॥
आज़मावतम हा साहिबो ।०।

चा'न्य द्रॖ_य छम, चॖ_ याद प्योहम,
वादु मशरिथ क्याज़ि गोहम ।
साधु शाहज़ादो लगय ।
वथ म्य हावतम साहिबो ।०।

दारि प्यठ छस, चॆय प्रारान,
दारि ओसुम ओ'श वसान ।
वारि म्याने ध्यान थावतम ।
पकनावतम म्य साहिबो ।०।

व्यसरा'विथ परॖ पा'विथ,
अरॖसर म्या'न्य वुछताह ज़ांह ।
शर छुम, ज़ांह घरॖ अचॖतम ॥
लोल छावतम साहिबो ।०।

अज़ छु चोनुय बो'ड बडि दोहा,
लोल भरने आयिसय हो।
ॐ शब्दुक लोल् नाद ॥
बोज़नावतम हा साहिबो।०।

दिलबरो दिल क'म्य सा' न्यूनम,
छारनुय मुश्किल हा गोम।
प्रारान छस पतिमि पहरय॥
तूर्य खारतम साहिबो।०।

लछि लटि सोज़ाय हा धन्यवाद,
म्योन मन अज़ को'रुथ शाद।
हनि हनि ध्यान चोनुय॥
धारनावतम साहिबो।०।

वासनायन ड़ास करिथय,
खास आसन हा धा'रिथय।
तारवुन छुख च़्_य तारस॥
तारनावतम साहिबो।०।

अख म्य गछ़ि चा'नी दयाह,
बेयि म्य ग'छ़_ स्मरण सदाह।
आयसय ब् योर गदाह॥
बर मुचरावतम साहिबो।०।

देश कालस निश ब् दूर,
क'म्य ब् क्रनस मजबूर।
डोलान स्वर्गच ब् हूर॥
तोलनावतम साहिबो।०।

सारिनय चोन हा अनुग्रह,
मेति बो'रमय लोल त् श्रैह।
मस्तानि छय खस्त गा'मुच़॥
मस सु चावतम साहिबो।०।

शाप पाप माफ कर

शाप पाप माफ कर,
हताह म्यानि साहिबो।
सुलि घरि असिति वेर।।
हताह म्यानि सत्गो'रो।०।

छो'टुय हसा' ज़्यूठ गोम,
संसार म्य क्रूठ प्योम।
तवय छम म्य बांबर।
हताह म्यानि साहिबो।०।

दरदिल छि ता'स्य वनान,
युस छु, रहबर बनान।
त्रावि लोलुच नज़र।।
हताह म्यानि साहिबो।०।

शरमन्द बु छस स्यठाह,
बन्दगी करहाय सदाह।
चा़यम म्य थरु थरु।।
हताह म्यानि साहिबो।०।

वन्दहाय बु जुव तु जान,
करतु अख म्य एहसान।
वारु पा'ठ्य म्य सरु करे।।
हताह म्यानि साहिबो।०।

गछ़िथ हसा' अस्तान,
छो़ंडमुत म्य मस्तान।
सु बुछुम, तति चराचर।।
हताह म्यानि साहिबो।०।

मन म्योन अज़, शाद गव,
ज़न सु हा, आज़ाद गव।
डू ठमुत म्य सत गो'र॥
हताह म्यानि साहिबो।०।

शमहन, यलि होव पान,
पोंपुर छुस वति रटान।
बेशक चा़स मर् मर्॥
हताह म्यानि साहिबो।०।

काल कस छु यति प्रारान,
वारि वारि छु, सारिन्य निवान।
छा़रान सु छु, अवसर॥
हताह म्यानि साहिबो।०।

लाल् यलि म्य याद प्यवान,
मन छुम, वदान रिवान।
मरय मा ब् अमि शरय॥
हताह म्यानि साहिबो।०।

वां'स मसा' ज़्यठरावतम,
मस्तानि कुनिति, छो़'टरावतम।
वछहा'ना ब् बुजर॥
हताह म्यानि साहिबो।०।



गो'र् दोह छु, गो'र् सुन्द ध्यान

गो'र् दोह छु, गो'र्सुन्द ध्यान धरय,
खुल् दिल हसा' पूज़ाह् करय।
गो'र् म्यानि, हा परमीश्वरय॥
लोल् अशि सा'त्य, पूज़ाह् करय।०।

लोल चोन म्य कोताह् आमुत,
छ़ल् गरि, च़ूरि छुख च़् द्रामुत।
गोड् करिज़ि टाठ्यन सरय॥
पूजाह् करय पूज़ाह् करय।०।

ध्यान् धारणा, छस ब् धारान,
रस् रस् च़ेय पत लारान।
आ'छ ज़न लजिमच़् छम धरय॥
पूज़ाह् करय, पूज़ाह् करय।०।

को'त चो'लुख म्यानि सरमाये,
यति छ़ोरमख ह्य, जायि जाये।
वनतो कमि तार् तरय॥
पूज़ाह् करय, पूज़ाह् करय।०।

बेबसीलन ह्न्दि, वसीलदारो,
लोल् मत्यन ह्न्दि, खरीदारो।
लोल् अ'शि सा'त्य, पूज़ाह् करय॥
पूज़ाह् करय, पूज़ाह् करय।०।

लोसम्च़न अछन छु ओ'श जारी,
कुनि कालि, सुमा करि म्य या'री।
भासान छुख, म्य च़्य ह्रय॥
पूज़ाह् करय, पूज़ाह् करय।०।

अवलय बु ज़ान करना'वथस,
लगयो, च्रूरि हसा' बु था'वथस।
जांह यित, चूनि ख्यावे जरय॥
पूज़ाह करय, पूज़ाह करय।०।

समयन सो'रुय म्य होवुमुत,
क्याह प्रोवमुत क्याह म्य रोवमुत।
बह्रा छसयो, बर तल अमि शरय॥
पूज़ाह करय, पूज़ाह करय।०।

लोलस आसतम, पछ़ करान,
वसवास सा'त्यन, छस मरान।
ममतायि ज़ालन छस बु वरय॥
पूज़ाह करय, पूज़ाह करय।०।

छ्यन दिथ, खास तय आमस,
नातनाव म्य परमय धामस।
नतु हो बु पा'न्य पानस खरय॥
पूज़ाह करय, पूज़ाह करय।०।

सन्तन तु साधन छु, म्योन प्रणाम,
तिमवुय होवहा'म लोलु दुकान।
मस्तानि लो'बनख च्राचरय॥
पूज़ाह करय, पूज़ाह करय।०।



बोज़ गो'र् संज़ थावबा आश

बोज़ गो'र् संज़, थावबा आश,
सुय हावि, ज्ञान् प्रकाश।
बेयि करी पूर् अभिलाष॥
गो'र् संज़ थावबा आश।०।

गो'र म्योन छु, परमात्मा,
त'म्य को'र म्य शो'द्ध आत्मा।
पापन करिथय हय नाश॥
गो'र् संज़ थावबा......

गो'र् वेरि आयस ब् योर,
वा'थ्य वछिम, यति बरस ता'र्य।
होवनम चय़्त त् आकाश॥
गो'र् संज़ थावबा.....

यलि गो'रन को'र म्य आलव,
वानस ध्युतुम हय फालव।
मिलना'व म_च़ छनम राश॥
गो'र् संज़ थावबा.....

आयस ब् गो'र् संज़ि वेर,
तेज़ गयि दिलस थर् थर्।
लोल्च मीठ स्यठाह् छि चाश॥
गो'र् संज़ थावबा......

गो'र्सुय म्य पुशरोवमुत,
सूक्ष्म भाव छुमस होवमुत।
अद् द्रामुत म्य मनस वाश॥
गो'र् संज़ थावबा......

गो'र छु सारिनुय सामर्थ,
तेलि मेलान छि सतुच वथ ।
बेयि ध्युतुन म्य यूगुक बाश ।।
गो'रु संज़ थावबा......

गो'र यति छुम दयावान,
दिच़नम आत्मु म्य ज़ान ।
तनु प्यठु ज़ान छस लाश ।।
गो'रु संज़ थावबा......

लगहा बु गो'रु ज्ञानस,
बेयि मन्थरकिस दानस ।
नतु आ'सुसय बु निराश ।।
गो'रु संज़ थावबा......

पूज़ाह कर गो'रु पादन,
पतु सन्तन तु साधन ।
तिम छि कासान विनाश ।।
गो'रु संज़ थावबा......

वुछत मस्तानि हुन्द गो'र,
व्या'पिथ छु सु च़राच़र ।
मूर्खस दिच़नम तराश ।।
गो'रु संज़ा थावबा आश ।०।

—●—

च़ेन्व'न्य मंज़य च़ेनुन द्राम

च़ेनुवन्य मंज़ाय, च़ेनुन द्राम,
तमि पत्, मनस आराम आम।
साहिबो! म्य रछाह् आराम आम॥
च़ेनुव'न्य मंज़य च़ेनुन द्राम।०।

यंबर ज़ालन आ'स, हा'य प्येमच़,
मसवल ज़न आ'स ज़ायि गामुच़।
वो'थमुत वुछुम यति कोह्राम॥
च़ेनुवन्य मज़य ....

गाह् यलि त्रा'व, आफतावन,
तमि पत् दग च़'ज लोलु दागन।
तति छुनु भासान, सुबह् तु शाम॥
च़ेनुवन्य मंज़ाय.....

कम कम वीर, बलवीर वुछिम,
तिमनुय दिलस मंज़ दाग वुछिम।
दग च़जिम तेलि, यलि दय वनि आम॥
च़ेनुवन्य मंज़य .....

लोलु रज़ि, लमनोवथन,
तोति क्याज़ि व्रह्म फांसि खारनोवथन।
सारिवुय वुछ अश्कस अन्जाम॥
च़ेनुवन्य मंज़य .....

कैंह् का'त्य थविमुत्य, तमि धनवान,
कैंह्चव मोंगहस, आत्म ज्ञान।
टाठुयव छोंडमुत छु सुय गुलफाम॥
च़ेनुव'न्य मंज़य......

ल्यूखमुत यलि छुय म्योन तकदीर,
तति वनि आमुत म्य चोन तसवीर।
ज़ीर क्याज़ि दिच़थम गयस बदनाम॥
च़ेनुव'न्य मंज़य......

मीरायि यलि, गोपाल छोंडुन,
सर्फ़स प्यव पोशिमाल बनुन।
अरशस प्यठ वुछुन रंग तमाम॥
च़ेनुव'न्य मंज़य......

हा वलो, मनि मंज़ा ललुनावथ,
जिगरस मंज़ा हो, च़ूरि थावथ।
अमि पतु च़टिथ, छ़निम यतिक्य जामु॥
च़ेनुव'न्य मंज़य......

घरु क'र्य क'र्य, अरु अनिथसो,
तमि पतुति कवा, सरु कुरथसो।
सरु करुनोवुथ सो'न तय त्राम॥
च़ेनुव'न्य मंज़य......

वनचय्न यार्यन छु, दयसुन्द सग,
लोलु मत्याह, च़लनावतम लोलु दग।
पतमा लूक ज़ांह दिनम यति पामु॥
च़ेनुव'न्य मंज़य......

स्यदि तय शाहज़ादु लगयो,
चोनुय लोलु ढूर बु सगयो।
मस्ता'न्य अदु, ध्यव लबि चोन धाय॥
च़ेनुव'न्य मंज़य च़ेनुन द्राम।०।



हा पीर् म्य कर गीर

हा पीर्, गयस गीर, म्य रो'ट चीर् पनुन पान,
दिच्थम च्य ओरय ज़ीर।
म्य रो'ट चीर्, चोन दामान॥

थावतम च्_ कन नादन,
कर् क्याह, तिमन वादन।
भावय पनुन यि सीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

लगयो र्'त्यन ब् कारन,
गा'जनस ब् संसारन।
छुखना च्_ धीर गंम्भीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

भय कासतम, साहिबो,
लय था'वथम हा दयो।
वनतम म्य क्याह तकसीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

सुब् दम, बति ज़ागस,
च्ूरि थवथ मन् नागस।
मन म्या'न्य हा बलवीर॥
म्य रो'ट चीर्, चोन दामान।०।

दावस क्याज़ि ला'जिथस,
भावस जाह, वुछहाख।
नावस छु बो'ड ता'सीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

क्षण मात्रस अन्दर,
मन किथव बनि सोन्दर।
धा'रिथ दितिथम तीर॥
म्य रो'ट चीर्, चोन दामान।०।

आयस ब् चोन दरगाह,
खार्यम नियाज़ रोपयि काह्।
अवलय ब् छस बापीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

पीरो च्य गयि पीरी,
दिन्य गा'छ़ म्य फकीरी।
छोंडुथ बा कमि तदबीर्॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

संसार्किस सो'दरस,
तार मंगहा'ना ब् तस।
थवतम लक्षमण लकीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

कर्नावि तार अपोर,
च़लिहेम मनस बोर् वोर।
बदलावतम तकदीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।

मस्तानि कर अनुग्रह,
तस छुय चोनुय हा श्रेह।
च़टिथ्य छुन्यन ज़ंजीर॥
म्य रो'ट चीर् चोन दामान।०।



मार् मत्या सूर् मत्या

मार् मत्या, सूर् मत्या, भजन को'रुम आर् हत्ये,
रोज़ान छुख च़_ कत्ये, भजन करय आर् हत्ये।

शिव छुख च़_ कैलाश वासी,
छसना ब् चा'न्य वासी।
रो'न्य मत्या छो'न्य मत्या॥
भजन करय आर् हत्ये।०।

हा टाठि, आमुत म्य लोल,
अन्दरी गोमुत छुम हा होल।
छोंडमख हा वत्य वत्ये॥
भजन करय आर् हत्ये।०।

आमुत छुम, मनस तूफान,
आस्सय मा ब् अन्ज़ान।
छुम क्यासा' म्य कर्म कृत्ये॥
भजन करय आर् हत्ये।०।

रोज़ान छु सु अन्दर शुन्यन,
हाल म्योन तस, कुस वन्यस,
नूर् मत्या, सर्फ मत्या॥
भजन करय, आर् हत्ये।०।

सा'त्य सा'त्य छय हा गौरी,
बनिथय हा यति आदि शक्ति।
य़ोर यिताह च़_ लोति लोत्ये॥
भजन करय आर् हत्ये।०।

सतकिस भावस पुचिस,
तोति क्याज़ि यति थचिस।

काया सो'तान सो'त्य सो'त्ये ॥
भजन करय आर् हत्ये ।०।

नन्दीश्वर छुय च़य सवारे,
कुनि का'ल्य असिति तारे ।
भाव मत्ये छावू यते ॥
भजन करय, आर् हत्ये ।०।

वुछ म्य चो'पार्य गाश आमुत,
चोनुय प्रकाश प्योमुत ।
मन मा म्योन यति छ'ते ॥
भजन करय, आर् हत्ये ।०।

आलवन थविज़्यम च़_ कन,
वो'न्य बनावतम, सो'न म्य मन ।
साहिबो, हा मायि हत्ये ॥
भजन करय आर् हत्ये ।०।

मस्तानि चा'न्य द्र_य छय,
तस छु म्यूलमुत चोन पय ।
आमुत छुख, सात् र्त्ये ॥
भजन करय आर् हत्ये ।०।



यह कुछ कश्मीरी शेर मुझे कलादर बादशाह ने भेंट स्वरूप दिये हैं। मुझे मालूम नहीं यह सुन्दर शेर किस के लिखे या कहे हैं। किन्तु सन्त के कहने पर मैं इन्हें अपनी पुस्तक ''आत्म ज्ञान'' में छपवा रही हूं।

कथ लगै लोलस अथस या,
सायि शिहिलिस शफकगतस ।
दज़्वनिस आदुम रतस, या,

मायि रुस्यतिस मोहब्तस ।।
वन कथ लगै......

शुर्य कथन या नफरतस या,
पा'री चा'निस अज़मस ।
ताप तचरस ज़ुलमतस या,
शायि रस्यतिस रह्मतस ।।
वन कथ लगै.....

या लगै अपज़िस सतस या,
मारिफतकिस बरकतस ।
जाहरुका'तिल फुरकतस या,
म्रायि रो'सतिस कुरबतस ।।
वन कथ लगै .....

ला तमाह तन्हा लोतस या,
रलवनिस रोशन खतस ।
नूर बरितिस सूरतस या,
लगय कथ आदतस ।।
वन कथ लगै......

पाम् वो'तरिस ह्यकमतस या,
ज़खमुकिस नूनस ज़्यतस हा ।
रठ लगै कथ कथ हितस या,
वायि रस्यतिस उलफतस ।।
वन कथ लगै.....

यूग् बलकिस गुरबतस या,
सबरुकिस अथ फुरसतस ।
बा खोदा नत् फितरतस या
पीर् लगया सीरतस हा ।।



राज दुलारी कदलबुजू
(मस्तानी)